दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-201 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 19 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 24 वर्षीय ट्रक चालक गिरफ्तार, आईएसआई को भेज रहा था संवेदनशील फुटेज

कठुआ (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने पाकिस्तान स्थित अंतर-सेवा खुफिया एजेंसी (आईएसआई) को कथित तौर पर संवेदनशील जानकारी और तस्वीरें उपलब्ध कराने के आरोप में 24 वर्षीय ट्रक चालक अमन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर सैन्य प्रतिष्ठानों की रेकी करने और पाकिस्तान में मौजूद एजेंटों के लिए संवेदनशील फुटेज जुटाने का आरोप है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अमन कथित तौर पर एक ऐसे जाल में फंसा था, जिसके बाद उसने संवेदनशील जानकारी और फुटेज भेजना शुरू किया। उस पर जासूसी और विध्वंसक गतिविधियों से संबंधित निर्देश पाकिस्तान स्थित एजेंटों से प्राप्त करने का भी आरोप है। हालांकि, इन आरोपों की जांच अभी जारी है।

जांच के दौरान सामने आया है कि अमन ने कथित तौर पर अपने घर के बाहर सीमा के पास स्थित सड़क पर नजर रखने के लिए सिम आधारित निगरानी कैमरा लगाया था। बताया गया है कि कैमरा लगाने के लिए उसे 20 हजार रुपये मिले थे। इस कैमरे से सड़क और आसपास की गतिविधियों की तस्वीरें तथा वीडियो रिकॉर्ड किए जाते थे।

पुलिस के अनुसार, कैमरे से प्राप्त फुटेज को कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित एजेंसी तक पहुंचाया जाता था। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि आरोपी ने अब तक किस तरह की जानकारी और फुटेज उपलब्ध कराई तथा उसके संपर्क किन लोगों से थे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अमन का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। फोन की फोरेंसिक जांच की जा रही है, ताकि उसके संपर्कों, संदेशों और अन्य डिजिटल गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, जांच का मुख्य फोकस सैन्य प्रतिष्ठानों की कथित रेकी, संवेदनशील फुटेज की आपूर्ति और पाकिस्तान स्थित एजेंटों के लिए जानकारी तथा तस्वीरें जुटाने के आरोपों पर है।

कठुआ क्षेत्र में पाकिस्तान स्थित एजेंटों और उनके कथित संपर्कों से जुड़े मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। जून 2026 में कठुआ से जुड़े एक कथित पाकिस्तान प्रायोजित हवाला और आतंकी वित्तपोषण नेटवर्क की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने भी अपने हाथ में ली थी।

हालिया गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही हैं। अधिकारियों का प्रयास यह पता लगाना है कि आरोपी के कथित संपर्कों का दायरा कितना व्यापक था और क्या उसके माध्यम से किसी अन्य संवेदनशील जानकारी को भी पाकिस्तान स्थित एजेंटों तक पहुंचाया गया।

तिरुपति मंदिर में नकली गाय का घी तैयार करने वाला गिरफ्तार, कैलाश ने बनाया 96 करोड़ का मिलावटी घी

नई दिल्ली (ए.)। प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद जोनल ऑफिस ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में घी में मिलावट के मामले में, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत कैलाश चंद मंगला को गिरफ़्तार किया है। उन्हें विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश की स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) के सामने पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने तिरुपति ईस्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर उक्त केस की जांच शुरू की थी। इस एफ़आईआर में टीटीडी को मिलावटी घी की धोखाधड़ी से सप्लाई करने के मामले में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाज़ी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। जांच से पता चला है कि मिलावटी घी बनाने के लिए कथित तौर पर रिफाइंड पाम ऑयल, पाम कर्नल ऑयल, पामोलीन और एमजी -90, मोनोग्लिसराइड्स, मायवासेट सॉफ्ट 400 और एसिटिक एसिड एस्टर जैसे कई केमिकल का इस्तेमाल किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को आज देंगे स्कूटी की सौगात

››› 7400 से अधिक मेधावी विद्यार्थी होंगे लाभांवित

››› भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को शनिवार को बड़ी सौगात देंगे। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 19 सितंबर को ई-स्कूटी का वितरण करेंगे। यह स्कूटी "मुख्यमंत्री स्कूटी योजना ' अंतर्गत दी जाएगी। इससे विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। साथ ही, कॉलेज आने-जाने में भी सहूलियत होगी। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण का कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर में भोपाल में सुबह 9 बजे से होगा।

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान आना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। मोटराइज्ड स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रुपये और ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 1.20 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

अब तक प्रदेश के 23,000 से अधिक पात्र विद्यार्थी हो चुके हैं लाभान्वित

प्रदेश सरकार द्वारा योजना अंतर्गत शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,400 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना से अब तक प्रदेश के 23,000 से अधिक पात्र विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के संचालन पर अब तक लगभग 246 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के साथ ही आगे की पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने से शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ रहा है और उच्च शिक्षा की ओर उनकी भागीदारी को मजबूत करने में भी मदद मिल रही है।

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग की राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा भोपाल सांसद आलोक शर्मा उपस्थित रहेंगे।

एलआईसी का 2684 करोड़ का निवेश घोटालाः अनिल अंबानी पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, कौन-कौन से आरोप लगाए?

नई दिल्ली (ए.)। रिलायंस कैपिटल लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने एलआईसी के 2,684.57 करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामले में रिलायंस कैपिटल, अनिल अंबानी, कंपनी के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश सेठ और कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला एलआईसी की ओर से दी गई लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हुई। अंबानी हमेशा किसी गलत काम से इनकार करते रहे हैं।

एलआईसी ने रिलायंस कैपिटल में कितना पैसा लगाया था?

सीबीआई के अनुसार, एलआईसी ने आरोप लगाया है कि 12 अप्रैल 2012 से 9 मार्च 2018 के बीच रिलायंस कैपिटल की ओर से जारी पांच नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर यानी एनसीडी में कुल 3,900 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। यह निवेश सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों, फंडिंग और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए किया गया था। एलआईसी का आरोप है कि आरोपियों ने कथित तौर पर साजिश के तहत गलत जानकारी देकर उसे रिलायंस कैपिटल में निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

यूएई राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को किया फोन, पश्चिम एशिया और रणनीतिक साझेदारी पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ए.)। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर उनके जन्मदिन पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने इस दौरान पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते घटनाक्रमों पर चर्चा की तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों में निरंतर सहयोग और समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। इसमें ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी, निवेश और स्वास्थ्य सहित विभिन्न प्रमुख क्षेत्र शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक संदेश में यूएई के राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें फोन कर जन्मदिन की बधाई दी।

बंगाल उपचुनावः चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी, टीएमसी के नाम और चिह्न को लेकर दी चुनौती

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। ममता बनर्जी ने आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस के मूल नाम और चिह्न पर रोक लगाई गई है। शुक्रवार को आयोग ने छह अक्तूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए ममता बनर्जी के गुट को फुटबॉल खिलाड़ी का चुनाव चिह्न आवंटित किया। इसके बाद ममता ने इस फैसले को अदालत में चुनौती देने का कदम उठाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में क्यों चुनौती दी?

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले को असंवैधानिक, गैरकानूनी, अलोकतांत्रिक और पूरी तरह पक्षपातपूर्ण बताया है। उन्होंने आयोग पर राजनीतिक दुर्भावना से काम करने का आरोप भी लगाया। ममता का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी, नामांकन दाखिल हो चुके थे और उम्मीदवार अपने चुनाव चिह्न जमा कर चुके थे।

ऐसे समय में पार्टी के नाम और मूल चुनाव चिह्न को रोकने का फैसला क्यों लिया गया, इसे लेकर उन्होंने सवाल उठाया है। अब उन्होंने इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ममता के गुट को शुक्रवार को कौन सा चुनाव चिह्न मिला?

शुक्रवार को चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी के गुट को पश्चिम बंगाल के छह अक्तूबर के विधानसभा उपचुनाव के लिए फुटबॉल खिलाड़ी का चुनाव चिह्न आवंटित किया।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने नर्मदापुरम जिले के विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल ने नर्मदापुरम जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रमुख सचिव डॉ. गोयल ने जिले के शासकीय माध्यमिक शाला जासलपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमसाड़िया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंजराकला का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को देखा। विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना (MDM) की गुणवत्ता, विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकों के वितरण की स्थिति, शाला में उपलब्ध 'जादुई पिटारा' के उपयोग, FLN प्रशिक्षण से शिक्षकों और विद्यार्थियों को हो रहे लाभ की समीक्षा की।

कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देश पर मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम लोखरतलाई में लगा ब्लॉक स्तरीय शिविर

एसडीएम सिवनी मालवा ने किया ग्राम लोखरतलाई की विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण, एसडीएम तथा जनप्रतिनिधियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत तहसील सिवनी मालवा के ग्राम लोखरतलाई में ब्लॉक स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान एसडीएम सिवनी मालवा विजय राय तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्राम में विभिन्न संस्थानों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को सीधे सुना गया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम द्वारा ग्राम लोखरतलाई स्थित सहकारी समिति के खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण किया गया, जहां केंद्र बंद पाया गया। खाद वितरण केंद्र के निर्धारित समय पर बंद पाए जाने को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम विजय राय द्वारा संबंधित सहकारी समिति को नोटिस जारी किया गया तथा कारण बताओ नोटिस (SCN) के माध्यम से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसानों को खाद वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाद की उपलब्धता एवं वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके बाद मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय सेवाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका मृगेंद्र सिंह मंडलोई, जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, मृगेंद्र मंडलोई, रघुवीर राजपूत सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम विजय राय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। जिन समस्याओं का मौके पर निराकरण संभव था, उनका निराकरण किया गया। वहीं अन्य प्रकरणों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

शिविर में 53 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त

शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 53 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें राजस्व विभाग से 27, पंचायत विभाग से 14, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से 2, लोक निर्माण विभाग से 1, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी से 2, वन विभाग से 1, खाद्य विभाग से 2, निर्वाचन विभाग से 1 तथा शिक्षा विभाग से 2 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके साथ ही शिविर के दौरान 15 फार्मर आईडी बनाई गईं तथा 20 ई-केवाईसी की कार्यवाही की गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में 52 लोगों की बीपी एवं शुगर की जांच की गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में बताया गया।

आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

शिविर के दौरान एसडीएम विजय राय द्वारा ग्राम लोखरतलाई के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने केंद्र में बच्चों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं पोषण संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान बच्चों को फल वितरित किए गए तथा उन्हें नियमित रूप से आंगनवाड़ी एवं विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया।

नर्मदापुरम में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

6 प्रकरण दर्ज, 20 लीटर कच्ची शराब और 220 किलो लहान जब्त

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

विभाग द्वारा गुरूवार 17 सितम्बर 2026 को जिले के सभी व्रत क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 6 प्रकरण कायम किए गए। कार्यवाही में मौके से 20 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा एवं 220 किलोग्राम महुआ लहान जब्त किया गया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 26,900 रुपये आंकी गई है।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

>>> सेमीकॉन इंडिया-2026 में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेमीकंडक्टर कंपनियों से किया संवाद

>>> जापान, कोरिया, अमेरिका और स्वीडन के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के यशोभूमि स्थित सेमीकॉन इंडिया 2026 में मध्यप्रदेश पवेलियन का भ्रमण कर सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने मध्यप्रदेश में निवेश, तकनीकी सहयोग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विस्तार की संभावनाओं पर उद्योग प्रतिनिधियों से चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार उद्योगों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, स्प्रिन्टोनिक्स एआई, एनएक्सपी इंडिया, मार्वल सेमीकंडक्टर्स, एल एंड टी सेमीकंडक्टर्स और स्वदेश आईसी सेमीकंडक्टर्स सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया।

वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा

मुख्यमंत्री ने इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्रुप (आईएसआईजी) के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में जापान की एक्रेटेक, केनन और कैइजो, कोरिया की हनवा और जेनसेम इंक तथा अमेरिका की मेकडरमिड अल्फा के प्रतिनिधि शामिल थे। जापानी प्रतिनिधिमंडल में आक्साईड कार्पोरेशन, स्केल फोटोनिक्स और इम्प्यूट इंक के प्रतिनिधियों से भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि "सेमीकॉन इंडिया-2026" वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग के साथ संवाद और सहयोग का महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक क्षमता, निवेश की संभावनाओं और उपलब्ध संसाधनों के साथ इस क्षेत्र में नई साझेदारियों के लिए तैयार है।

एमपी में फर्जी GST नंबर से 10 लाख का MSME लोन!: बैंक मैनेजर समेत 5 पर FIR, मशीन भी नहीं मिली

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में फर्जी दस्तावेज और नकली जीएसटी नंबर के जरिए MSME लोन हासिल करने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की एमपी नगर शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि एक युवा कारोबारी की जानकारी के बिना उसके नाम पर 10 लाख रुपये का एमएसएमई लोन स्वीकृत कराया गया। मशीन खरीदने के नाम पर जारी 8.85 लाख रुपये की रकम अलग-अलग खातों में पहुंचाई गई, लेकिन कारोबारी को मशीन नहीं मिली। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब कारोबारी को अपने नाम पर लिए गए लोन की जानकारी मिली। उसने ईओडब्ल्यू में शिकायत की। जांच में एजेंसी को प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तथ्य मिले।

मामा ने बैंक और सप्लायर से मिलकर कराया लोन

ईओडब्ल्यू की जांच के मुताबिक कारोबारी के मामा ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की एमपी नगर शाखा के तत्कालीन मैनेजर और मशीन सप्लाई करने वाली फर्मों से जुड़े लोगों के साथ मिलकर लोन कराया। मामा की अब मृत्यु हो चुकी है। आरोप है कि उन्होंने पहले ही लोन से जुड़े दस्तावेज बैंक में जमा कर दिए थे। 21 मार्च 2024 को कारोबारी को बैंक बुलाया गया और तैयार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। जांच में सामने आया कि आवेदन से रकम जारी होने तक की प्रक्रिया महज तीन से चार घंटे में पूरी कर दी गई। ईओडब्ल्यू के अनुसार बैंक ने न कारोबारी के व्यवसाय स्थल का निरीक्षण किया और न मशीन सप्लायर के पते का पर्याप्त सत्यापन किया।

फर्जी रसीद से दिखाई मार्जिन मनी

लोन के लिए मार्जिन मनी जमा होने का रिकॉर्ड दिखाने के लिए 4 लाख और 1.15 लाख रुपये की दो रसीदें लगाई गई थीं। इनमें विशाल इंटरप्राइजेस को भुगतान दिखाया गया। जांच में इन भुगतानों की फर्म के बैंक खाते में एंट्री नहीं मिली। शिकायतकर्ता या उसके परिवार के खातों में भी इतनी रकम मौजूद नहीं मिली। जांच में विशाल इंटरप्राइजेस का बैंक रिकॉर्ड में दर्ज पता भी फर्जी पाया गया।

9 लाख 77 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली 10.53 करोड़ रुपये की छूट

भोपाल (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए अगस्त माह लाभदायक रहा। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को टाइम ऑफ डे (ToD) टैरिफ व्यवस्था के तहत सोलर आवर्स (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक) में बिजली की खपत पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट का लाभ दिया जा रहा है। इसी के तहत अगस्त -2026 में कंपनी कार्यक्षेत्र के कुल 9 लाख 77 हजार 400 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके बिजली बिलों में कुल 10.53 करोड़ रुपये की ToD छूट का सीधा लाभ मिला। इनमें भोपाल रीजन के 7 लाख 94 हजार 972 उपभोक्ताओं को 7 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपये तथा ग्वालियर रीजन के 1 लाख 82 हजार 428 उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 72 लाख 82 हजार रुपये की छूट प्रदान की गई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए अपने परिसरों में स्मार्ट मीटर लगवाएं।

एमपी में 19 सितंबर से नुक्कड़ नाटक : स्कूल से हाट-बाजार तक पहुंचेंगी 'नमो सेवा' की कहानियां

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में 19 सितंबर से लोगों को सार्वजनिक जगहों पर नुक्कड़ नाटक देखने को मिलेंगे। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'नमो सेवा (अनकही कहानियां)' कार्यक्रम 19 सितंबर से 5 अक्टूबर तक चलेगा। इसके लिए हर जिले में कम से कम 10 नाट्य टोलियां बनाई जा रही हैं, जो अलग-अलग स्थानों पर करीब 30 मिनट की प्रस्तुतियां देंगी।

स्कूल, कॉलेज और बाजारों में होंगे नाटक

कार्यक्रम केवल बड़े मंचों तक सीमित नहीं रहेगा। नाट्य टोलियां स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायत, सामुदायिक केंद्र, हाट-बाजार और अन्य व्यस्त सार्वजनिक स्थानों पर प्रस्तुतियां देंगी। जिला स्तर पर इनके कार्यक्रमों का शेड्यूल तैयार किया जाएगा।

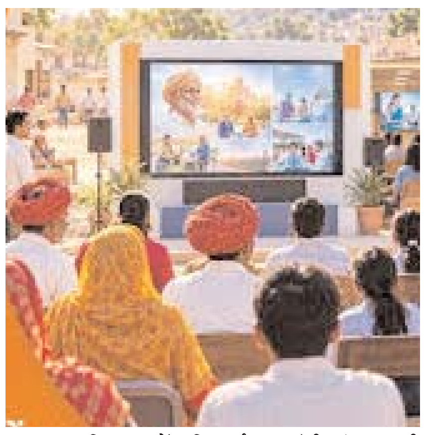

30 मिनट में दिखाई जाएंगी 'अनकही कहानियां'

नुक्कड़ नाटकों को सरल और भावनात्मक शैली में तैयार किया गया है। इनमें सेवा कार्यों से जुड़े प्रसंगों और देश में हुए बदलावों की कहानियों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार इसका उद्देश्य लोगों तक सेवा, सुशासन और जनभागीदारी से जुड़े संदेश पहुंचाना है।

हर जिले में 10 टीमें, कलाकारों को मिलेगा सम्मान

प्रत्येक जिले में कम से कम 10 नाट्य टोलियां तैयार की जा रही हैं। जिला कलेक्टरों के मार्गदर्शन में इनके आवागमन और प्रस्तुतियों की व्यवस्था की जाएगी। अभियान के समापन पर बेहतर प्रस्तुति और सांस्कृतिक भागीदारी के लिए नाट्य मंडलियों और कलाकारों को जिला स्तर पर सम्मानित भी किया जाएगा।

बैरागढ़ से मंडीदीप तक दौड़ी ई-बसः 300 कॉलोनियों को मिलेगा फायदा, 10 बसें और शुरू, 21 सितंबर से 5 और जुड़ेंगी

भोपाल (ए.)। राजधानी में ई-बस सेवा का दायरा अब मंडीदीप तक पहुंच गया है। शुक्रवार से बैरागढ़ से मंडीदीप के बीच चौथे रूट बी-38 पर 10 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो गया। इसके साथ शहर में चल रही ई-बसों की संख्या 40 हो गई है। 21 सितंबर से इस रूट पर पांच और बसें शुरू होने के बाद कुल 15 बसें दौड़ेंगी। इससे होशंगाबाद रोड और मंडीदीप क्षेत्र की करीब 300 कॉलोनियों को शहर के प्रमुख हिस्सों से सीधी कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। नए रूट से एमपी नगर, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, न्यू मार्केट और बैरागढ़ रेलवे स्टेशन तक पहुंच आसान होगी। नौकरीपेशा लोगों और विद्यार्थियों के साथ रोजाना शहर आने-जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। नए रूट से करीब पांच हजार यात्रियों के जुड़ने का अनुमान है।

33.6 किलोमीटर लंबा है बी-38 रूट

बी-38 रूट की शुरुआत बैरागढ़ ई-बस डिपो से होगी। बसें बोर्ड ऑफिस चौराहा और मेट्रो स्टेशन होते हुए एचईजी मंडीदीप तक जाएंगी। करीब 33.6 किलोमीटर के इस मार्ग में रानी कमलापति स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-5, डीआरएम मेट्रो स्टेशन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, बागसेवनिया पुलिस स्टेशन, आशिमा मॉल, आरकेडीएफ, मिसरोद, 11 मील, इंडस टाउन, चिनार ड्रीम सिटी, आयशर-सतलापुर जोड़ और एचईजी मंडीदीप जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। अब तक एमपी नगर और आईएसबीटी तक बस सेवा उपलब्ध थी, लेकिन इसके आगे मंडीदीप की ओर सीधी बस कनेक्टिविटी नहीं थी।

रोजाना 10 हजार यात्री कर रहे सफर

भोपाल में वर्तमान ई-बस सेवा से रोजाना औसतन करीब 10 हजार यात्री सफर कर रहे हैं। बी-38 पर 15 बसें पूरी क्षमता से चलने के बाद करीब पांच हजार अतिरिक्त यात्रियों को सुविधा मिलने का अनुमान है। रूट पर न्यूनतम किराया 6 से 7 रुपये और अधिकतम किराया 40 रुपये तक रहेगा।

चार रूट पर पहुंची ई-बस सेवा

भोपाल में पीएम ई-बस सेवा की शुरुआत 30 जुलाई को 10 बसों से हुई थी। इसके बाद 18 अगस्त को 10 और बसें जोड़ी गईं। फिर 10 बसों के शामिल होने से संख्या 30 पहुंची और अब बी-38 पर 10 बसें शुरू होने के बाद कुल संख्या 40 हो गई है। अभी बी-35 चिरायु अस्पताल-बैरागढ़ से आकृति इकोसिटी सलैया, बी-36 कोच फैक्ट्री रेलवे स्टेशन से बैरागढ़ चिचली-कोलार और बी-37 बैरागढ़ से नादरा, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस और आईएसबीटी के बीच चल रही हैं। बी-38 इन रूटों को मंडीदीप की ओर आगे बढ़ाता है।

दिव्यांग यात्रियों के लिए हाइड्रोलिक दरवाजा

ई-बसों में दिव्यांग यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा गया है। बस में हाइड्रोलिक दरवाजा दिया गया है, जिससे व्हीलचेयर और ट्राइसिकल के साथ चढ़ना-उतरना आसान होता है। दरवाजे के सामने दो व्हीलचेयर या ट्राइसिकल खड़े करने लायक जगह भी रखी गई है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए।

जाति प्रमाणपत्र से संबंधित शिकायत पर सतर्कता शाखा की कार्रवाई

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी के रूप में प्रस्तुत होकर आरक्षित वर्ग का लाभ प्राप्त करने तथा जाति प्रमाणपत्र से संबंधित शिकायत पर पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा द्वारा कार्रवाई की गई है। शिकायत की जांच एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर थाना सतर्कता, पुलिस मुख्यालय, भोपाल में संबंधित निवृतमान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है। यह प्रकरण आवेदक हरवीर सिंह रघुवंशी, निवासी राघौगढ़, जिला गुना द्वारा प्रस्तुत शिकायत के आधार पर पंजीबद्ध किया गया है।

उच्च स्तरीय छानबीन समिति द्वारा जाति प्रमाणपत्र की जांच

प्रकरण से संबंधित जाति प्रमाणपत्र की जांच मध्यप्रदेश शासन की "अनुसूचित जनजाति संदेहास्पद जाति प्रमाण पत्र उच्च स्तरीय छानबीन समिति", भोपाल द्वारा की गई थी। समिति द्वारा उपलब्ध अभिलेखों एवं तथ्यों की जांच के उपरांत क्षेत्र संयोजक, आदिम जाति कल्याण, विदिशा द्वारा वर्ष 1984 में जारी अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र को अमान्य घोषित किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है।

सरकारी विभागों में 1.04 लाख से अधिक पद खाली : जीतू पटवारी

भोपाल (निप्र)। छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में शिक्षा, रोजगार और सरकारी भर्ती के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सरकारी विभागों में 1.04 लाख से अधिक पद खाली हैं, जबकि सरकार के रोजगार पोर्टल पर 27 लाख से ज्यादा नौकरी चाहने वाले दर्ज हैं। उन्होंने सवाल किया कि इन युवाओं के भविष्य की जिम्मेदारी कौन लेगा। पटवारी ने कहा कि मोहन भागवत के उज्जैन आगमन से उम्मीद थी कि मध्यप्रदेश के युवाओं के ज्वलंत सवालों पर बात होगी और भाजपा सरकार को कोई दिशा मिलेगी, लेकिन प्रदेश के लाखों युवाओं के सवाल आज भी अनुत्तरित हैं।

युवा परीक्षा दें या नियुक्ति का इंतजार करें ?

पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की कई भर्तियां वर्षों से लंबित हैं। युवा परीक्षा दें या नियुक्ति का इंतजार करें, सरकार को इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। परीक्षा, परिणाम, चयन और नियुक्ति में देरी युवाओं के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष छीन रही है।उन्होंने सरकार से समयबद्ध भर्ती कैलेंडर लागू करने और कौशल विकास के बाद युवाओं के लिए स्थायी रोजगार का रास्ता सुनिश्चित करने की मांग की।

सुविधाः त्योहारों पर 34 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन सेवाएं, यात्रियों का बढ़ता देख रेलवे चलाएगा कुल 100 ट्रेनें

भोपाल/जबलपुर (ए.)। पश्चिम मध्य रेल ने दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के लिए 34 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन सेवाएं शुरू की हैं। इन त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अब आगामी त्योहारों के लिए कुल 100 स्पेशल ट्रेन सेवाएं संचालित होंगी।

इनमें रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के बीच 22 द्वि-साप्ताहिक सेवाएं शामिल हैं। यह ट्रेन 12 अक्तूबर से 16 नवम्बर 2026 तक चलेगी। गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से सोमवार और शुक्रवार को दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 01668 दानापुर से मंगलवार और शनिवार को सुबह 11:20 बजे चलेगी। इसमें कुल 24 आईसीएफ कोच होंगे, जिनमें वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी शामिल हैं।

दूसरी ट्रेन सोगरिया-दानापुर-सोगरिया साप्ताहिक स्पेशल है, जिसकी 12 सेवाएं होंगी। यह 10 अक्तूबर से 16 नवम्बर 2026 तक संचालित होगी। गाड़ी संख्या 09823 सोगरिया से प्रत्येक शनिवार को रात्रि 23:10 बजे रवाना होगी। गाड़ी संख्या 09824 दानापुर से प्रत्येक सोमवार को मध्यरात्रि 01:15 बजे प्रस्थान करेगी। इस ट्रेन में 22 एलएचबी कोच उपलब्ध रहेंगे।

रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल के ठहराव

रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल दोनों दिशाओं में कई स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें नर्मदापुरम, इटारसी जंक्शन, जबलपुर और कटनी जंक्शन शामिल हैं। मैहर, सतना, मानिकपुर और प्रयागराज छिवकी भी इसके प्रमुख ठहराव हैं। मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन पर भी यह ट्रेन रुकेगी।

सोगरिया-दानापुर स्पेशल के ठहराव

सोगरिया-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल भी यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्टेशनों पर ठहरेगी। इसके प्रमुख ठहरावों में बारां, गुना, अशोक नगर और सागर शामिल हैं। दमोह, कटनी जंक्शन, मैहर और सतना भी इसके मार्ग में आएंगे।

मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन पर भी यह रुकेगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से इन अतिरिक्त सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है। विस्तृत समय-सारिणी के लिए NTES एप का उपयोग किया जा सकता है।

पन्ना में मिला 4.70 कैरेट का जेम्स क्वालिटी हीराः 15 दिन की मेहनत में चमकी किसानों की किस्मत; सपने पूरे होंगे

पन्ना (ए.)। पन्ना जिले में एक बार फिर किसानों की किस्मत चमक उठी है। पन्ना के पटी क्षेत्र की खदान में बद्री पटेल और उनके पांच साथियों को 4.70 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा मिला है। हीरे की अनुमानित बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। खास बात यह है कि इन किसानों ने महज 15 से 20 दिन पहले ही खदान में काम शुरू किया था और इतनी कम अवधि में उन्हें यह बेशकीमती हीरा मिल गया। हीरा मिलने के बाद सभी साझेदारों के परिवारों में खुशी का माहौल है।

15 से 20 दिन की मेहनत पर मिला हीरा

पन्ना की धरती को हीरों के लिए जाना जाता है और यहां अक्सर मेहनत करने वाले लोगों की किस्मत एक चमकते हीरे के साथ बदल जाती है। ऐसा ही कुछ पटी क्षेत्र की

खदान में देखने को मिला। बद्री पटेल और उनके पांच साथियों ने करीब 15-20 दिन पहले खदान में खुदाई का काम शुरू किया था। लगातार मेहनत के बाद उनकी नजर एक चमकदार पत्थर पर पड़ी। जांच के बाद उसके हीरा होने की पुष्टि हुई तो सभी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सामने आया कि यह 4.70 कैरेट का जेम्स क्वालिटी का हीरा है।

हीरा मिलने के बाद खुशी की लहर

हीरा मिलने के बाद बद्री पटेल अपने साथियों के साथ इसे लेकर हीरा कार्यालय पहुंचे और नियमानुसार हीरा जमा कराया। बद्री पटेल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास था कि भगवान की कृपा से एक दिन उनकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। अब सभी की नजर आगामी नीलामी पर है, जहां हीरे की बिक्री के बाद मिलने वाली रकम को साझेदार आपस में तय हिस्सेदारी के अनुसार बांटेंगे।

कोई करेगा बच्चों की शादी तो कोई बनवाएगा घर

हीरा मिलने से किसान परिवारों में भी जश्न का माहौल है। बद्री पटेल का कहना है कि नीलामी से मिलने वाली रकम से वह अपना नया घर बनवाएंगे। वहीं उनके साथी रतन सिंह यादव, भीखम प्रसाद पटेल और रामचंद्र दुबे अपने बच्चों की शादी और परिवार की अन्य जरूरतों को पूरा करने की तैयारी कर रहे हैं। यानी कुछ दिन पहले तक जिस खदान में सिर्फ मेहनत और उम्मीद थी, वहीं अब एक चमकते हीरे ने इन परिवारों के सपनों को नई रोशनी दे दी है।

नीलामी में रखकर हीरा होगा नीलाम

हीरा पार्क की अनुपम सिंह के मुताबिक, हीरे को नियमानुसार जांच के बाद कार्यालय में जमा कर लिया गया है। यह जेम्स क्वालिटी का 4.70 कैरेट का हीरा है, जिसे आगामी नीलामी में रखा जाएगा। नीलामी में हीरे की वास्तविक कीमत सामने आएगी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त राशि हीरा धारकों को मिलेगी।

खरगोनः शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर 10.95 लाख ठगे, गुजरात से तीन आरोपी गिरफ्तार, पूरी रकम बरामद

खरगोन (ए.)। शेयर मार्केट में निवेश कर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 10 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बड़वाह पुलिस ने मामले में गुजरात से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी से अर्जित पूरी राशि 10 लाख 95 हजार 157 रुपए नकद बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार 5 फरवरी को बड़वाह निवासी एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी को अज्ञात लोगों ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक ग्रुप में जोड़ा था। ग्रुप में शेयर मार्केट में भारी मुनाफा होने के स्क्रीनशॉट लगातार साझा किए जाते थे। इससे फरियादी को आरोपियों पर भरोसा हो गया।

इसके बाद जालसाजों ने फरियादी के मोबाइल में एक एप्लीकेशन इंस्टॉल करवाई और शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 10 लाख 95 हजार 157 रुपए जमा करवाए। एप में निवेश की रकम और मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाई देता था। जब फरियादी ने रकम निकालने का प्रयास किया तो राशि नहीं निकली। इसके बाद आरोपियों ने पैसे निकालने के लिए सर्विस टैक्स और अन्य शुल्क की मांग की। संदेह होने पर फरियादी ने पुलिस से शिकायत की।

पुलिस ने मामले में BNS की धाराओं 318(4) और 319(2) में केस दर्ज कर जांच शुरू की। शिकायत को NCRP पोर्टल पर दर्ज करने के साथ ही बैंक अधिकारियों से खातों की जानकारी जुटाई गई। जांच में सामने आया कि धोखाधड़ी की रकम गुजरात के सिद्धपुर निवासी अमित के बैंक खाते में पहुंची थी।

बैंक खाते से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम गुजरात पहुंची और अमित को हिरासत में लिया।

UPI मर्चेंट फीस के विरोध में सड़कों पर उतरे व्यापारी, 23 सितंबर को काले कपड़े से ढंकेंगे QR कोड

इंदौर (ए.)। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने PI भुगतान पर प्रस्तावित मर्चेंट फीस के विरोध में शुक्रवार से पोस्टर अभियान शुरू कर दिया। एसोसिएशन अध्यक्ष अक्षय जैन सहित पदाधिकारी अलग-अलग बाजारों में पहुंचे और दुकानों पर UPI मर्चेंट फीस के विरोध वाले पोस्टर लगाए। एसोसिएशन ने अगले चार दिनों में सोशल मीडिया के जरिए 10 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। आम लोगों तक अभियान की जानकारी पहुंचाने के लिए जल्द ही कॉल सेंटर भी शुरू किया जाएगा। वहीं 23 सितंबर को व्यापारी संगठन नो यूपीआई-डे मनाएंगे।

फीस और 18% GST के असर से जनता को कराएंगे अवगत

एसोसिएशन का कहना है कि डिजिटल भुगतान व्यापार और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में PI पर अतिरिक्त लागत का असर केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगा। अभियान के दौरान मर्चेंट फीस और उस पर लागू होने वाली 18% GST के संभावित अतिरिक्त भार को सरल उदाहरणों के जरिए लोगों को समझाया जाएगा।

क्यों हो रही हाथियों की शाही खातिरदारी की तैयारी? परासी गेट पर होने वाली पिकनिक में ये भी खास

उमरिया (ए.)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हर साल होने वाली हाथियों की वार्षिक पिकनिक इस बार नए स्थान पर आयोजित की जाएगी। वर्षों से ताला गेट क्षेत्र में होने वाला यह आयोजन अब धमोखर बफर क्षेत्र के परासी गेट में होगा। पांच दिवसीय आयोजन 24 से 28 सितंबर तक चलेगा। पिकनिक को लेकर टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इस दौरान बांधवगढ़ के हाथियों को पूरी तरह काम से आराम दिया जाएगा। हाथियों से किसी भी तरह का वन्यजीव रेस्क्यू, निगरानी या अन्य कार्य नहीं लिया जाएगा। सुबह हाथियों को नहलाने के बाद उनके शरीर पर चंदन लगाया जाएगा। इसके बाद तेल से मालिश कर उनकी विशेष देखभाल की जाएगी। पशु चिकित्सकों की विशेष टीम भी मौके पर मौजूद रहकर हाथियों के स्वास्थ्य की जांच करेगी।

उज्जैन में संघ प्रमुख का युवाओं को संदेशः धर्म बांधता नहीं बल्कि मुक्त करता है, बताया रिलीजन से क्यों है अलग

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है। रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है, जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांड को

मिटाना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है।

बता दें कि इस धर्म संसद में देशभर से लगभग 1,700 युवा छात्र-छात्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं। प्रसिद्ध पटकथा लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान धर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा, एआई तथा सूचना-विचार संघर्ष जैसे समसामयिक विषयों पर विस्तृत संवाद और व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं।

धर्म ही देता है युवाओं को दिशा

कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच श्लोक पूरी महाभारत का सार हैं।

किसानों का गुस्सा फूटा तो भड़के सिंधियाः खाद संकट पर प्रशासन की ली क्लास, बोले- कलेक्टर कहां है, बुलाओ जल्दी

गुना (ए.)। क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के गुना दौरे के दौरान सर्किट हाउस में सबसे ज्यादा भीड़ किसानों की थी। पगारा समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से दर्जनों किसान अपनी फरियाद लेकर सांसद से मिलने पहुंचे थे। खाद की किल्लत से बेहाल किसानों ने प्रशासनिक अमले के सामने ही अपना दर्द बयां कर दिया।

इसी बीच एक बुजुर्ग किसान ने भरे मन से कह दिया- "माला डालते-डालते पूरी जिंदगी निकल गई, खाद कब मिलेगा साहब?" इस एक लाइन ने पूरे सभागार में सन्नाटा ला दिया और खाद संकट की गंभीरता को उजागर कर दिया।

किसानों ने बताया कि जिले में खाद के लिए शुरू की गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था उनके लिए मुसीबत बन गई है। पोर्टल पर बुकिंग शुरू होते ही कुछ ही मिनटों में टोकन खत्म दिखा दिया जाता है। कई किसान लगातार 4-5 दिन से रात-रात भर जागकर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन टोकन नहीं मिल रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि टोकन की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है और बिचौलिए सक्रिय हैं। सर्वर डाउन या तकनीकी खराबी की कोई स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जा रही, जिससे

किसान सोसायटी के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

कलेक्टर को दिए निर्देश

किसानों की पीड़ा सुनकर सिंधिया ने मौके पर ही प्रशासनिक अमले की क्लास लगा दी। उन्होंने कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को निर्देश दिए कि सभी किसानों के नाम और मोबाइल नंबर दर्ज किए जाएं और प्रत्येक शिकायत का व्यक्तिगत रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने ऑनलाइन व्यवस्था की पारदर्शी जांच कराने और वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए, ताकि किसानों को बार-बार परेशान न होना पड़े।

केंद्रीय मंत्री एवं गुना-शिवपुरी क्षेत्र के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के गुना दौरे के दौरान गुरुवार को सर्किट हाउस में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब उन्होंने जिलाधिकारी की गैरमौजूदगी पर कड़े तेवर दिखा दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर को मंच पर न पाकर सिंधिया ने सख्त लहजे में पूछा- "कलेक्टर कहां है, बुलाओ जल्दी।"

अफसरों में अफरा तफरी

अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में कलेक्टर किशोर कान्याल मौके पर पहुंचे तो सिंधिया ने उन्हें हिदायत देते हुए याद दिलाया कि उनकी ड्यूटी उनके साथ लगाई गई है, ऐसे में गैरमौजूदगी उचित नहीं है।

गौरतलब है कि कलेक्टर किशोर कान्याल वही अधिकारी हैं, जो शाजापुर में ट्रक ऑपरेटरों की हड़ताल के दौरान एक ड्राइवर से "तुम्हारी औकात क्या है" पूछने को लेकर सुर्खियों में आए थे।

कूनो में गूंजी किलकारी, मादा चीता ने जन्मे चार शावक, प्रोजेक्ट चीता की सालगिरह पर मिला तोहफा

श्योपुर (ए.)। भारत में प्रोजेक्ट चीता के चार साल पूरे होने के एक दिन बाद कूनो नेशनल पार्क से एक और खुशखबरी सामने आई है। भारत में जन्मी मादा चीता चत्नक्ष्2 ने कूनो में चार शावकों को जन्म दिया है। इस खबर के बाद प्रोजेक्ट चीता से जुड़े अधिकारियों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है। चार साल की यात्रा के बाद एक साथ चार नए शावकों का जन्म भारत में चीता संरक्षण के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। यह प्रोजेक्ट के तहत भारत में चीतों की आबादी बढ़ाने और उनके संरक्षण की दिशा में एक और सकारात्मक संकेत है।

चार साल, चार नई जिंदगियां

KGP12 के चार शावकों को प्रोजेक्ट चीता की यात्रा में उम्मीद और सफलता के प्रतीक के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि शावकों को जन्म देने वाली मादा चीता भारत में ही पैदा हुई है। इससे कूनो में चीता आबादी के प्राकृतिक रूप से बढ़ने की उम्मीदों को भी बल मिला है। प्रोजेक्ट चीता के चार साल पूरे होने के अगले दिन सामने आई इस खबर को कूनो और प्रोजेक्ट चीता से जुड़े लोगों के लिए खास उपलब्धि माना जा रहा है।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी में लौटी तेजी, दाम करीब 0.70 प्रतिशत तक बढ़े

मुंबई (ए.)। सोने और चांदी में शुक्रवार को तेजी देखी गई और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक बढ़ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,981 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,52,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10:30 बजे यह 217 रुपए या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,198 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,171 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,495 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। यह दिखाता है कि सोने में रुझान तेजी का बना हुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का 5 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,38,205 रुपए प्रति किलो के

मुकाबले 2,38,478 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 1,557 रुपए या 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,39,762 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,38,478 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,39,954 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,406 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी। मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेड की ओर से 25 आधार अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी उम्मीद के मुताबिक थी, जबकि डॉलर की मजबूती और इक्विटी मार्केट में हालिया गिरावट का असर बुलियन पर पड़ रहा है। आगे चलकर, फेड के फैसले पर अमेरिकी बाजार की प्रतिक्रिया और बॉन्ड की बढ़ी हुई कीमतें सोने के लिए अहम कारक बनी रहेंगी। भारतीय बाजार में सोने की रेंज 1,49,000 रुपए से 1,53,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकती है।

आईफोन 18 प्रो सीरीज : एप्पल स्टोर्स के बाहर लंबी कतारें, ग्राहक बोले- पहले दिन फोन लेने का अलग ही क्रेज

नई दिल्ली (ए.)। एप्पल के नए आईफोन 18 प्रो सीरीज की बिक्री शुक्रवार सुबह 8 बजे से भारत में शुरू हो रही है। भारत में इसके बेस मॉडल की कीमत 1,64,900 रुपए से शुरू है।

दिल्ली में एप्पल के आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स की पहली सेल को लेकर पहले ही साकेत के सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल में एप्पल स्टोर के बाहर ग्राहकों की लंबी कतारें देखी गईं। लोग सुबह-सुबह ही फोन खरीदने के लिए पहुंच गए। एक ग्राहक ने आईएएनएस से कहा, मैं 15 से 20 दिनों से इंतजार कर रहा हूं। पहले दिन खरीदने का उत्साह ही कुछ अलग होता है। दिल्ली में ही एक और ग्राहक ने बताया, मुझे 5 से 7 फोन खरीदने हैं। मैं यहां अपना प्री-ऑर्डर किया हुआ आईफोन 18 प्रो मैक्स खरीदने आया हूं। वहीं, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भी आईफोन के नए मॉडल को लेकर जबरदस्त क्रेज दिखा। यहां फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया स्थित एप्पल स्टोर के बाहर सुबह 8 बजे बिक्री शुरू होने से पहले ही ग्राहक कतार में खड़े नजर आए। एक ग्राहक ने कहा, हम सुबह 6 बजे जल्द ही आ गए थे और आईफोन 18 प्रो मैक्स के लिए काफी उत्साहित हैं। हम लाइन में सबसे पहले हैं और बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक अन्य ग्राहक ने बताया, मैंने पहले ही ऑनलाइन बुक कर लिया है। हमारा स्लॉट सुबह 9 बजे का है और हमने दो फोन बुक किए हैं।

पासपोर्ट पर नया नियम लागू : 15 साल से कम उम्र के बच्चों का पासपोर्ट अब 5 साल तक रहेगा वैध

नई दिल्ली (ए.)। 15 साल से कम उम्र के बच्चों को जारी होने वाले साधारण भारतीय पासपोर्ट अब पांच साल या बच्चे के 18 साल का होने तक, जो भी पहले हो, तक वैध रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नए नियमों के तहत यह बदलाव किया गया है। पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026, गुरुवार को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है, जो पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधित करता है। संशोधित नियम 12(1ए) के तहत, 15 साल से कम उम्र के बच्चे को जारी किया गया 36 पन्नों वाला साधारण पासपोर्ट जारी होने की तारीख से पांच साल की अवधि तक, या बच्चे के 18 साल की उम्र पूरी होने तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा। 15 सितंबर की अधिसूचना में पासपोर्ट आवेदन शुल्क से संबंधित नियम 8 में भी संशोधन किया गया है, जिसमें कहा गया है कि आवेदन की प्रत्येक श्रेणी के लिए देय शुल्क नियमों की अनुसूची IV में निर्दिष्ट के अनुसार होगा। संशोधित नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू हो गए हैं। विदेश मंत्रालय ने 1 जुलाई से पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की थी। बढ़ा हुआ शुल्क नए पासपोर्ट आवेदन, नवीनीकरण, तत्काल सेवाओं, खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नए पासपोर्ट, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) और अन्य पासपोर्ट से जुड़ी सेवाओं पर लागू है।

वैश्विक स्तर पर मजबूत संकेतों से भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला, रियल्टी और डिफेंस में खरीदारी

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान सेंसेक्स 260.65 अंक या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,575.24 और निफ्टी 64.10 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,334.70 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार की खरीदारी को सहारा डिफेंस और रियल्टी शेयरों से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑटो और निफ्टी प्राइवेट बैंक भी हरे निशान में थे। केवल निफ्टी आईटी ही लाल निशान में कारोबार कर रहा था।

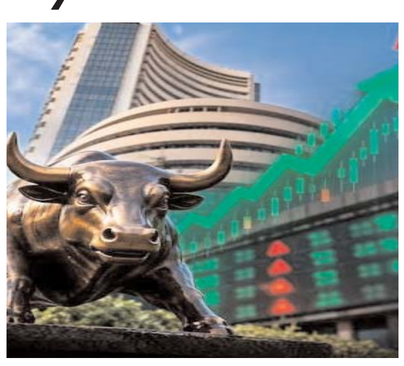

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 342 अंक या 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,775 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 172 अंक या 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,708 पर था। सेंसेक्स पैक में इटरनल, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, टाइटन और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, इन्फोसिस,एचयूएल, ट्रेंट, एनटीपीसी, आईटीसी और कोटक महिंद्रा बैंक लूजर्स थे।

एक्सपर्ट्स ने कहा कि भारतीय प्राइमरी मार्केट में चल रही तेजी ने अब सेकेंडरी मार्केट के निवेशकों के लिए भी मौके बना दिए हैं। अब निवेशकों का ध्यान आईपीओ मार्केट और आईपीओ से होने वाले लिस्टिंग गेन्स पर है।

त्योहारी सीजन से पहले सरकार का बड़ा फैसलाः थोक चीनी स्टॉक सीमा दोगुनी, जानें क्या होगा असर

नई दिल्ली (ए.)। सरकार ने थोक चीनी उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक रखने की सीमा को 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन कर दिया है। यह फैसला त्योहारी सीजन से पहले लिया गया है, जब चीनी की मांग बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इस कदम का उद्देश्य औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को त्योहारी महीनों के दौरान अधिक लचीलापन प्रदान करना है। यह निर्णय प्रमुख थोक उपभोक्ताओं के साथ विस्तृत परामर्श के बाद लिया गया। उन्होंने त्योहारी सीजन से पहले बढ़ी हुई स्टॉक सीमा की मांग की थी। सरकार का यह कदम थोक उपभोक्ताओं के हितों और घरेलू चीनी बाजार की स्थिरता के बीच संतुलन बनाने के लिए है। बढ़ी हुई सीमा के तहत, 15 दिन से अधिक का कोई भी स्टॉक केवल टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) या अग्रिम प्राधिकरण योजना (एएएस) के तहत आयातित चीनी से ही आना चाहिए।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पुनर्विचार करने का वक्त

दुनिया में बदले समीकरणों के बीच एससीओ में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आई है। इसकी संभवत: सबसे प्रमुख मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बीआरआई है।

शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में कही गई बातों और बिशकेक घोषणापत्र पर गौर करें, तो अहसास होता है कि इस मंच पर भारत की उपस्थिति लगातार असहज होती जा रही है। अब अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। दोनों देशों के संबंध के मौजूदा हाल को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या वहां होने वाली एससीओ की अनेक बैठकों में भाग लेने भारतीय प्रतिनिधि जाएंगे? वैसे भी दुनिया में बदले समीकरणों के बीच इस मंच में प्रभावी देशों के साथ भारत के रुख की दूरी बढ़ती नज़र आती है। इसकी संभवत: सबसे बड़ी मिसाल चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना- बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) है। किर्गिजिस्तान की राजधानी में हुए शिखर सम्मेलन के बाद जारी साझा घोषणापत्र में भारत को फिर उस अनुच्छेद से खुद को अलग रखना पड़ा, जिसमें बीआरआई का समर्थन किया गया है।

आठ सदस्य देशों- बेलारूस, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान- ने बीआरआई के प्रति फिर अपना समर्थन जताया। साथ ही इसे यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) के साथ जोड़ने की बात भी कही गई। ईएईयू में प्रमुख भूमिका रूस की है। स्पष्टत: बीआरआई एससीओ के आर्थिक और आपसी जुड़ाव (कनेक्टिविटी) एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ाते समय देशों की प्रादेशिक संप्रभुता का ख्याल रखा जाना चाहिए। बीआरआई के तहत निर्मित 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से गुजरता है। इसके अलावा एससीओ में ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले तथा फिलस्तीन के गज़ा में इजराइल की "विनाशकारी" कार्रवाई भी ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत का रुख एससीओ के बाकी देशों से अलग रहा है। यह अलगाव बिशकेक में भी जाहिर होता रहा। यह साफ है कि चीन, रूस, और ईरान की वैश्विक रणनीति में फिलहाल सामंजस्य बन गया है। बाकी सदस्यों को इस रणनीति पर कोई एतराज नहीं है, हालांकि उनमें से कुछ ने अमेरिकी खेमे के साथ भी अपने दांव जोड़ रखे हैं। स्पष्टत: भारत के लिए यह पुनर्विचार करने का वक्त है कि एससीओ से उसकी क्या अपेक्षाएं हैं और क्या वे पूरी हो रही हैं?

नई पीढ़ी को नरेंद्र मोदी से मिले उड़ान के लिए पंख

पी.वी. सिंधु

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय युवा लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है। उसे इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि अपना खुद का रॉकेट बनाना है। ऐसी स्थिति में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई बहुत सहानुभूति से उसे समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं है। वह समझाता की अंतरिक्ष पर सिर्फ सरकार का हक होता है। इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं।

18 जुलाई, 2026 को एक प्राइवेट भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इस रॉकेट को स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो नौजवान इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने सुरक्षित काम छोड़ कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठान रखी थी। स्काईरूट की इस कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया के उन सिर्फ तीन देशों में शामिल हो गया जहां किसी आम नागरिक की प्राइवेट कंपनी अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है। इस कामयाबी को हासिल करने वाले बाकी दो देश अमेरिका और चीन हैं। वह लड़की, जिसके सपने के पूरा होने का किसी को भी भरोसा नहीं था, अब कह सकती है- ''मैं एलन मस्क बनना चाहती हूं। यह कोई नारा नहीं, बल्कि मेरा पक्का इरादा है।'' बेशक, वह अपने सपने को पूरा करने की यात्रा को शुरू कर सकती है।

पिछले दस वर्षों में हमारे देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज़ बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब यह होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कोई कमी थी। इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे खामोश और सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है।

इस बदलाव की गहराई को समझना बहुत जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। देश में सपने देखने वालों की कभी कोई कमी नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ दरवाजों की। और जब दरवाज़े कम हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाज़े के बाहर ही इंतज़ार करते रह जाते थे जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने इस बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाज़त न हो, तब तक पाबंदी' से बदल कर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाज़त' हो गया है। उनके पूरे दशक के काम के पीछे एक पक्का संकल्प रहा है- पाबंदियों की इस दीवार को गिराना और उसकी जगह खुले दरवाज़ों वाला देश बनाना। ऐसा देश जहां इस बात से कोई फर्क नहीं

पड़ता कि आप किसकी संतान हैं। फर्क इससे पड़ता है कि आप क्या बनाने की काबिलियत रखते हैं।

जरा गौर करें कि क्या-क्या खुल गया है। अंतरिक्ष पर 60 साल तक सरकार का एकाधिकार रहा। 2020 में उसे उन सबके लिए खोल दिया गया जिनके पास रॉकेट छोड़ने की योग्यता थी। फिर हमारे खेतों के ऊपर का आसमान खुला। उस रूल बुक को फाड़ कर फेंक दिया गया जिसके मुताबिक एक छोटे से ड्रोन को उड़ाने के लिए दर्जनों कागज़ात और इजाज़तों की ज़रूरत पड़ती थी। अब किसी छोटे शहर का कोई नौजवान अपना ड्रोन बना सकता है। उसे फोन के जरिए रजिस्टर कर अपना कारोबार शुरू कर सकता है। गांवों की हज़ारों महिलाओं के हाथों में ड्रोन सौंप दिए गए जिससे भविष्य का एक हिस्सा उनकी आजीविका का जरिया बन गया।

इनमें से कुछ बदलाव बहुत दबे पांव आए लेकिन उनकी अहमियत उतनी ही ज्यादा थी। 2021 में मानचित्रों को मुक्त कर दिया ताकि किसी भारतीय कंपनी को उस देश का सर्वे करने के लिए किसी मंजूरी की ज़रूरत नहीं पड़े जिसमें वह पहले से काम कर रही है। 2023 में एक ही कानून के ज़रिए सैकड़ों कानूनों में बदलाव किया गया। इस कानून के जरिए एक हज़ार से ज्यादा वैसे मामलों में आपराधिक सजा के प्रावधान को खत्म कर दिया गया जिनका संबंध कागजी औपचारिकताओं से था। उद्देश्य यह था कि सिर्फ एक फॉर्म छूट जाने पर किसी को जेल नहीं जाना पड़े।

2014 में अंतरिक्ष से संबंधित सिर्फ एक स्टार्टअप था। लेकिन आज भारत में ऐसे लगभग 440 स्टार्टअप हैं। उस समय कोई भी ड्रोन स्टार्टअप नहीं था मगर अब इनकी संख्या सैंकड़ों में पहुंच चुकी है।

लेकिन सिर्फ दरवाजे खोलना अधूरी बात होगी। एक खुले दरवाज़े का कोई फायदा नहीं अगर वहां तक पहुंचने का आपके पास कोई रास्ता ही न हो। यहीं पर इस सोच की न्यायसंगतता नजर आती है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज़्यादा है और इन्होंने बीस लाख से ज़्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब सिर्फ़ बैंगलोर या दिल्ली तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के हर कोने में छोटे शहरों और कस्बों तक पहुँच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है।

ये ऋण खास तौर पर उन लोगों के लिए थे जिन्हें पुरानी व्यवस्था में नज़रअंदाज़ किया गया था–जैसे दलित और आदिवासी परिवारों के पहली बार व्यवसाय शुरू करने वाले लोग और महिलाएँ। साथ ही, करोड़ों ऐसे भारतीय जिनके पास कभी बैंक खाता नहीं था, उन्हें आखिरकार इस दायरे में लाया गया, जहाँ एक साधारण फोन ही बैंक बन गया। आज एक सब्जी बेचने वाला और एक स्टार्ट-अप का संस्थापक दोनों एक ही तरीके से पैसे का लेन-देन करते हैं।

युवाओं को पढ़ाने के तरीके पर भी नए सिरे से सोचा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उस व्यवस्था को बदल दिया है जिसके तहत 16 साल के छात्र को किसी एक विषय (स्ट्रीम) में जबरदस्ती दाखिल करा दिया जाता था, जो उसे जीवन भर की सजा की तरह लगता था लेकिन अब यह जीवन भर की सजा की तरह नहीं रहा। अब छात्र ऐसे विषयों को एक साथ पढ़ सकते हैं जिन्हें पहले कभी साथ नहीं पढ़ाया जाता था, किसी डिग्री को बीच में छोड़कर वहीं से दोबारा शुरू कर सकते हैं और देश से बाहर जाए बिना ही विश्वस्तरीय पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया भर के विश्वविद्यालयों ने अब यहीं अपने कैंपस खोलना शुरू कर दिया है।

यह सब एक ही बात की ओर इशारा करता है, एक ऐसा देश जिसने आखिरकार अपने युवाओं पर भरोसा करने का फ़ैसला किया है। हमारे इतिहास के ज़्यादातर समय में, हमारी सबसे प्रतिभाशाली पीढ़ी को लगता था कि कुछ ठोस करने के लिए उन्हें विदेश जाना होगा। हमने उन्हें धीरे-धीरे, साल-दर-साल उन देशों के हाथों खो दिया, जिनके पास ऐसे अनेक अवसर थे जो हमारे पास नहीं थे। यहाँ अंतरिक्ष से लेकर सिलिकॉन तक, सॉफ्टवेयर से लेकर कक्षाओं तक, उन दरवाज़ों को खोलकर इस नेतृत्व ने उस प्रतिभा को देश में रुकने की एक वजह दी है और यहाँ तक कि घर वापस लौटने का एक कारण भी दिया है। भविष्य का निर्माण करना अब कोई ऐसा काम नहीं रहा जिसके लिए आपको भारत छोड़ना पड़े। अब देश में ही रहकर यह काम कर सकते हैं।

और यह वह पक्ष है जिसे कोई भी नीतिगत दस्तावेज़ बयान नहीं कर सकता, वही पक्ष जो बाकी सभी बातों को एक अलग रूप में प्रस्तुत करता है। एक पूरी पीढ़ी को हर तरह का अवसर दिए जाने के बाद भी वे खुद को उपेक्षित महसूस कर सकती है। नरेंद्र मोदी ने भारत के युवाओं को कभी भी ऐसी समस्या नहीं माना जिसे बस मैनेज करना हो या सिर्फ़ वोट बैंक समझा हो। वे परीक्षा से पहले छात्रों के साथ बैठकर उनसे डर, दबाव और उम्मीद के बारे में खुलकर बात करते हैं। वे किसी शासक की तरह प्रजा को उपदेश नहीं देते हैं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की तरह बात करते हैं जो यह याद रखता है कि युवा होना, डरा होना और साथ ही सपनों से भरा होना कैसा होता है। वे युवाओं से बराबरी के स्तर पर बात करते हैं।

सेवा-संकल्प-अभियानः प्रदेश के 20,298 गांवों के खसरा और 19,723 गांवों के भू-नक्शों का कंप्यूटरीकृत

सुशासन और पारदर्शिता की नई मिसाल

विष्णु प्रसाद वर्मा

छत्तीसगढ़ सरकार ने श्सेवा के संकल्पश् के तहत राजस्व प्रशासन को पूरी तरह डिजिटल बनाकर राज्य के भू-स्वामियों को भूमि संबंधी जटिल प्रक्रियाओं और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाई है। भुईयां और भू-नक्शा पहल के जरिए प्रदेश के 20,298 गांवों के खसरा और 19,723 गांवों के भू-नक्शों का कंप्यूटरीकरण पूरा हो चुका है, जिससे अब शुद्ध और प्रामाणिक अभिलेख तुरंत उपलब्ध हो रहे हैं। इसके साथ ही 158 तहसीलों में मॉडर्न रिकॉर्ड रूम बन जाने से कागजातों के गुम होने या खराब होने का डर हमेशा के लिए समाप्त हो गया है।

भूमि विवादों के तुरंत समाधान के लिए ई-कोर्ट व्यवस्था शुरू

प्रशासनिक सुधारों की इसी कड़ी में 105 उप-पंजीयक कार्यालयों को भुईयां पोर्टल से जोड़कर ऑटो नामांतरण प्रणाली लागू की गई है, जिससे जमीन की रजिस्ट्री होते ही क्रेता के नाम नामांतरण की प्रक्रिया स्वत: प्रारंभ हो जाती है। भूमि विवादों के तुरंत समाधान के लिए ई-कोर्ट व्यवस्था शुरू की गई है, जहाँ नागरिक घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और केस से जुड़ी हर जानकारी तथा पेशी की तारीख सीधे मोबाइल पर एसएमएस से प्राप्त कर सकते हैं।

खसरा और बी-1 जैसे जरूरी दस्तावेज अब व्हाट्सएप चौटबॉट पर उपलब्ध

इसके अलावा, भूमि उपयोग परिवर्तन को ऑटो व्यपवर्तन के माध्यम से मात्र 15 दिनों के भीतर पूरा किया जा रहा है और गाइडलाइन दरों का निर्धारण भी स्वचालित हो गया है। किसानों की सुविधा के लिए पटवारी एवं उप-पंजीयक के डिजिटल हस्ताक्षर वाली डिजिटल किसान ऋण पुस्तिका पोर्टल पर स्वत: तैयार हो रही है, जिसे भविष्य में सिविल कोर्ट से भी जोड़ा जाएगा। इस पूरी व्यवस्था को अंतिम व्यक्ति तक सहज बनाने के लिए खसरा और बी-1 जैसे जरूरी दस्तावेज अब व्हाट्सएप चौटबॉट पर भी उपलब्ध हैं, जिसने राज्य में पारदर्शिता और सुशासन का एक नया अध्याय शुरू किया है।

लेखक सहायक संचालक हैं

एक बोली नहीं – निमाड़ की सदियों पुरानी साँस है निमाड़ी

नर्मदा, नीम और निमाड़ी – निमाड़ की जीवित आत्मकथा

कहीं गीत, कहीं कहावत, कहीं माँ की पुकार – यही है निमाड़ी

भाषा तब नहीं मरती जब उसके शब्द चुक जाते हैं; वह तब सूखने लगती है, जब लोग अपनी ही बोली बोलने में संकोच करने लगते हैं। इसलिए 19 सितंबर का निमाड़ी दिवस कोई तारीख भर नहीं, निमाड़ के स्वर को पहचानने और स्वाभिमान से जीने का दिन है। नर्मदा की लहरों से खेतों की मेड़ों तक, महेश्वर के घाटों से गाँव की चौपालों तक निमाड़ी केवल संवाद नहीं—मिट्टी में रची जीवन-दृष्टि है। अखिल निमाड़ लोक परिषद (अनिलोप) की पहल से जुड़ा यह दिवस किसी बोली को सम्मान देने भर का अवसर नहीं, बल्कि उस लोक-संस्कृति को नमन है, जिसने इतिहास, पुरातत्व, अध्यात्म और लोकजीवन को पीढ़ियों से सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रखा है। निमाड़ की स्मृति जब बोलती है, तो उसकी सबसे आत्मीय आवाज़ निमाड़ी में सुनाई देती है।

प्राचीन अनूप जनपद (जो नर्मदा घाटी के आसपास फैला था) से आज के खरगोन, खंडवा, बड़वानी और बुरहानपुर तक फैला निमाड़ भू-भाग नहीं, इतिहास और लोकजीवन का संगम है, जहाँ सदियों की स्मृतियाँ साँस लेती हैं। यहाँ नर्मदा केवल नदी नहीं, रेवा है; महेश्वर केवल नगर नहीं, प्राचीन महिष्मती की स्मृति है; और ओंकारेश्वर-मांधाता केवल तीर्थ नहीं, आस्था और पुराकथाओं के केंद्र हैं। महेश्वर-नवदाटोली (नावड़ाटोली) के पुरातात्त्विक अवशेष नर्मदा घाटी की ताम्रपाषाणकालीन सभ्यता की गहराई और निरंतरता के साक्षी हैं। इसी धरती पर आर्य और अनार्य सांस्कृतिक धाराएँ मिलीं और विशिष्ट लोकसंस्कृति आकार पाई, जिसमें गणगौर के गीतों की गूँज, भागोरिया हाट का उल्लास, कलगी-तुर्रा की स्वर-स्पर्धा और नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा एक सांस्कृतिक आत्मा में घुल गए—यही निमाड़ है, जहाँ इतिहास मिट्टी में, लोक स्मृति में और संस्कृति जीवन की धड़कन में जीवित है।

निमाड़ी की पहचान केवल उसके शब्दों में नहीं, उन शब्दों से निकलती अपनी विशिष्ट ध्वनि में भी बसती है। शौरसेनी अपभ्रंश से जुड़ी इसकी भाषिक जड़ें राजस्थानी भाषा-परिवार और पश्चिमी हिंदी अंचल से संवाद करती हैं, तो मालवी, गुजराती, भीली और खानदेशी के संपर्क ने इसके शब्द-संसार को समृद्धि दी। विलंबित 'अह्य' और प्राचीन 'ळ' जैसी ध्वन्यात्मक विशेषताएँ निमाड़ी को अलग पहचान देती हैं; 'मनह्य', 'मखह्य', 'काजळ', 'डोळो' जैसे शब्द केवल बोले हुए शब्द नहीं, निमाड़ की मिट्टी, स्मृति और संवेदना की आवाज़ हैं। 2011 की जनगणना में लगभग 23 लाख लोगों ने निमाड़ी को अपनी मातृभाषा बताया। यह आँकड़ा इसके सामाजिक विस्तार को भले न समेट पाए, लेकिन इतना कहता है कि निमाड़ी किसी सीमित गाँव की बोलचाल नहीं, एक व्यापक लोकसमुदाय की जीवित और अपनी पहचान बोलती हुई भाषा है।

निमाड़ी का सबसे बड़ा साहित्य वह है, जो कागज़ पर उतरने से पहले लोकस्मृति में रचा गया। संत सिंगाजी के निर्गुण भजनों से खेतों के श्रमगीतों तक, सोहर से ऋतुगीतों तक, विवाह-धार्मिक गीतों से व्रतकथाओं तक—हर विधा में निमाड़ के जीवन का अनुभव और लोकस्मृति सुरक्षित है। पशु-पक्षियों की लोककथाएँ नीति-व्यवहार का बोध कराती हैं, तो लोकोक्तियाँ मौसम, पर्यावरण, श्रम और सामाजिक संबंधों का लोकज्ञान सँजोए हैं, जिसे पुस्तकालय में नहीं, जीवन में पढ़ा गया है। 'सदा नीरा, हरह्य पीरा। गाँव मुलुक, मह्य जड़ह्य हीरा' जैसी पंक्तियाँ लोकबुद्धि की विरासत हैं, जिनमें साधारण शब्दों में असाधारण जीवन-दृष्टि छिपी है और जिसे आधुनिक ज्ञान की भाषा में समझने की जरूरत है। संत परंपरा, चित्रकला, लोकनृत्य और नर्मदाष्टक जैसी अभिव्यक्तियाँ इस संसार को विस्तार देती हैं—मानो निमाड़ी साहित्य किताबों से अधिक लोगों की आवाज़, स्मृति और जीवन-पद्धति में जीवित हो।

निमाड़ी की असली ताकत बड़े शब्दों में नहीं, छोटी आत्मीयताओं में है, जहाँ भाषा रिश्ते में बदल जाती है। खेत से लौटते किसान का संबोधन, देहरी पर बुजुर्गों की कहावत और दूर मुंबई या भोपाल में बसे किसी निमाड़ी का माँ से कहना—'भला तो'—मिट्टी से जुड़ाव जगा देता है। जन्म से विवाह तक निमाड़ी गीतों की मौजूदगी सांस्कृतिक निरंतरता की साक्षी है। कलगी-तुर्रा जैसी लोकपरंपराएँ मनोरंजन नहीं, सामुदायिक संवाद और स्मृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने वाली लोक-संस्थाएँ हैं। संत सिंगाजी से आधुनिक निमाड़ी साहित्य तक की यात्रा बताती है कि भाषा ने रूप बदले, पर आत्मा नहीं छोड़ी। महादेव प्रसाद चतुर्वेदी का 'अम्मर बोल' निमाड़ी साहित्य की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं रामनारायण उपाध्याय जैसे विद्वानों ने निमाड़ी के क्षेत्र और साहित्यिक वैभव को दस्तावेजी रूप देने में योगदान दिया।

इसलिए निमाड़ी दिवस को केवल सांस्कृतिक आयोजन, सम्मान समारोह या स्मरण का दिन मानना पर्याप्त नहीं। अखिल निमाड़ लोक परिषद 1953 से निमाड़ी के उत्थान से जुड़ी है और 2001 से चली सम्मान परंपरा में सैकड़ों कलाकारों, साहित्यकारों और लोक-कलाकारों को सम्मानित किया गया है। निमाड़ी-हिंदी शब्दकोश और व्याकरण भाषा को अध्ययन, लेखन और संरक्षण की जमीन देते हैं। अब जरूरत है कि मानकीकरण के साथ क्षेत्रीय विविधताओं की अस्मिता भी बची रहे। साहित्य, शिक्षा, शोध, डिजिटल माध्यम, ऑडियो-वीडियो अभिलेखन और नई पीढ़ी के रचनात्मक प्रयोगों में निमाड़ी की उपस्थिति बढ़े—तभी वह विरासत में मिली भाषा भर नहीं, आने वाली पीढ़ियों की अपनी आवाज़ बनकर बोलेगी।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। आज आपको कुछ समय परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए। आज आप किसी काम में बहुत ज्यादा व्यस्त रहेंगे। साथ ही दूसरों की कोई सलाह आपके लिये फायदेमंद सिद्ध होगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज घर पर किसी रिश्तेदार के आने से परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। साथ में कहीं घूमने भी जायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी और सोचे हुए जरूरी काम समय पर पूरे हो जायेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ नई योजना बनायेंगे, जिसका फायदा भी होगा। आज आपका मन पूजा पाठ में अधिक लगेगा, आप धार्मिक पुस्तक पढ़ेंगे जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज व्यापार में उम्मीद से अधिक मुनाफा होने वाला है। आज आपको परिवार से कार्यों में मदद मिलती रहेगी। आज आपकी दोस्तों के साथ किसी विशेष मुद्दे पर बातचीत हो सकती हैं, जिससे आपको उसका समाधान मिल जायेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। आज आपका पूरा ध्यान अपने करियर को आगे बढ़ाने पर रहेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपको अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है। आज आपको ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। साथ ही परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज माता पिता की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगी। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल होगी, जिससे आपकी चर्चा दूर-दूर तक होगी। आज आपको गंभीर मामलों को शांति और बातचीत से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आप परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे। आज किसी काम के सिलसिले में अनजान व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी, जो लम्बे समय तक चलेगी। इस राशि के कला और साहित्य से जुड़े व्यक्तियों को आज कहीं परफॉर्म करने का मौका मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज ऑफिस के काम को पूरा करने में आप पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के लॉ की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज आपको किसी सीनियर वकील के साथ इंटरर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपकी व्यापारिक डील किसी बड़ी कम्पनी के साथ फाइनल होने की संभावना है। आज आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन होगा, जिससे परिवार में चहल पहल बनी रहेगी।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन बेहद शानदार रहने वाला है। आज बॉस आपसे कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं रखेंगे, आप उनकी अपेक्षाओं पर खरे भी उतरेंगे। आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी। आज किसी काम में अनुमान से ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है। आज स्वास्थ्य के प्रति आपको सजग रहने की जरूरत है और जंक फूड खाने से भी बचना चाहिए।

नैतिकता और संवेदना का सौंदर्यबोध : साहित्य जीवन के सत्य का सार।

आज का युग विज्ञान, तकनीक, संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं। उसकी उंगलियों पर पूरी दुनिया की सूचनाएँ उपलब्ध हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने सोचने, सीखने और काम करने की अनेक प्रक्रियाओं को नई दिशा दी है। लेकिन इस अभूतपूर्व विकास के बीच एक प्रश्न लगातार हमारे सामने खड़ा है क्या तकनीकी रूप से विकसित होता मनुष्य नैतिक और संवेदनशील रूप से भी उतना ही समृद्ध हो रहा है? यदि मनुष्य के भीतर से करुणा, सत्य, न्याय, सहिष्णुता और उत्तरदायित्व जैसे नैतिक मूल्य धीरे-धीरे समाप्त होने लगें, तो विज्ञान और तकनीक का यही विकास मानव कल्याण के बजाय विनाश का कारण बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को उसकी मानवीय जड़ों से जोड़ने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।

साहित्य केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों, संघर्षों, सपनों, संवेदनाओं और सत्य का कलात्मक अभिव्यक्त रूप है। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य के संबंध में उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों के प्रकाश की बात कही थी। प्रेमचंद का साहित्य इस दृष्टि का जीवंत उदाहरण है। उनकी रचनाओं में किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब, शोषित और उपेक्षित मनुष्य केवल पात्र नहीं हैं, बल्कि अपने समय की सामाजिक सच्चाइयों के प्रतिनिधि हैं। 'गोदान' का होरी हो या 'कफन' के घीसू-माधव—इन पात्रों के माध्यम से प्रेमचंद ने समाज की उस वास्तविकता को सामने रखा, जिसे केवल आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। साहित्य मनुष्य को दूसरे मनुष्य के जीवन में प्रवेश करने की संवेदना देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर की साहित्य-दृष्टि में भी मनुष्य और उसकी मानवता का विशेष स्थान रहा। मनुष्य की वास्तविक शक्ति केवल उसकी बुद्धि, संपत्ति या बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसकी मानवीय चेतना में निहित है। साहित्य इसी चेतना को जागृत करता है। वह हमें यह सिखाता है कि दूसरे के आँसू केवल दूसरे के नहीं होते, किसी अनजान व्यक्ति का दु:ख भी हमारी संवेदना को स्पर्श कर सकता है और किसी अपरिचित के संघर्ष में भी हम अपने जीवन की छाया देख सकते हैं। यही संवेदना साहित्य के सौंदर्यबोध को जन्म देती है। सुंदर वही साहित्य नहीं जो शब्दों में मधुर हो; सुंदर वह भी है जो मनुष्य के भीतर करुणा, विवेक और मनुष्यता का प्रकाश जगा दे। भारतीय संस्कृति में नैतिकता को जीवन का मूल आधार माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार, क्षमा, संयम और सहिष्णुता जैसे मूल्य भारतीय चिंतन परंपरा में सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। ये मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों की सीमाओं में बंद नहीं रहे, बल्कि साहित्य ने उन्हें जन-जीवन तक पहुँचाया। गोस्वामी तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य, त्याग और आदर्श जीवन की अवधारणा को व्यापक जनमानस तक पहुँचाया। कबीर ने रूढ़ियों और पाखंड पर प्रहार करते हुए मनुष्य को प्रेम, सत्य और आत्मचिंतन की राह दिखाई। भक्ति साहित्य ने जाति, वर्ग और बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर मनुष्य के भीतर स्थित ईश्वर और मानवता की खोज की। साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, बल्कि अनेक बार उसका मार्गदर्शक भी होता है। यह केवल एक साहित्यिक उक्ति नहीं, बल्कि मानवीय सभ्यता के अनुभवों से निकला सत्य है। साहित्य समाज को यह देखने की दृष्टि देता है कि वर्तमान में क्या हो रहा है और उसके भीतर क्या होना चाहिए। वह प्रश्न करता है, असहमति को स्वर देता है और मनुष्य को अपने समय के प्रति उत्तरदायी बनाता है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं, न्याय के प्रति विश्वास मजबूत होता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है और साहित्य उसके हृदय की संवेदनशील धड़कन। नैतिकता हमें सही आचरण की दिशा देती है, जबकि साहित्य हमें यह महसूस कराता है कि उस आचरण का संबंध दूसरे मनुष्यों के जीवन से कितना गहरा है। केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है; उन नियमों के पीछे मानवीय चेतना भी आवश्यक है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन साहित्य भीतर से परिवर्तन की इच्छा पैदा कर सकता है। इसलिए स्थायी सामाजिक परिवर्तन के लिए कानून के साथ-साथ नैतिक शिक्षा और संवेदनशील साहित्य की भी आवश्यकता है। महात्मा गांधी के जीवन में सत्य और अहिंसा केवल विचार नहीं, बल्कि आचरण के सिद्धांत थे। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि नैतिकता जब विचार से आगे बढ़कर व्यवहार बनती है, तब वह सामाजिक शक्ति में बदल जाती है। गांधी साहित्य, धर्म, दर्शन और विभिन्न विचारधाराओं से निरंतर संवाद करते रहे और उन्होंने अपने जीवन में सत्य, आत्मसंयम तथा अहिंसा को प्रयोग के रूप में अपनाया। इसी प्रकार रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय की रचनाओं में प्रेम, नैतिकता, आत्मबोध और मानवता के प्रश्न प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। मैक्सिम गोर्की ने श्रमजीवी और संघर्षशील मनुष्य के जीवन को साहित्य में स्वर दिया। हिंदी साहित्य में कबीर से लेकर प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, महादेवी वर्मा, दिनकर और अनेक रचनाकारों ने अपने-अपने समय के मनुष्य और समाज के प्रश्नों को साहित्य का विषय बनाया। रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रसिद्ध पंक्ति—"मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है"—मनुष्य के आत्मविश्वास, संघर्ष और संकल्प की शक्ति को अभिव्यक्त करती है। साहित्य में ऐसी पंक्तियाँ केवल उत्साह नहीं देतीं, वे मनुष्य को अपने भीतर की शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित करती हैं। नैतिक साहस भी इसी आत्मबोध से पैदा होता है। जब मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी सत्य का साथ देने का निर्णय करता है, तब उसका व्यक्तित्व केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक बनता है। आज हमारा समाज भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट, सामाजिक असहिष्णुता, अकेलेपन और तेजी से बदलती जीवन-शैली जैसी अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है।

कई राज्यों में विलेन बना मौसम, सैकड़ों सड़कें प्रभावित

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। देश के कई राज्यों में मौसम आफत बन चुका है। इस आफत ने कई सड़कों को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में तो बर्फबारी ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। हिमाचल के गुरवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ ईंच बर्फ गिरी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी के काबुल गली में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली स्थित रुद्रनाथ जी में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है। वहीं, पिछले दिनों भारी बारिश से क्षतिग्रस्त अर्धकुंवारी-हिमकोटी मार्ग आखिरकार दुरुस्त कर लिया गया है। बुधवार सुबह करीब सात बजे इस मार्ग को श्रद्धालुओं की पैदल आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया। इससे भवन की ओर जाने वाले मां वैष्णो देवी के भक्तों ने राहत की सांस ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में लगातार भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिथौरागढ़-घाट राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर घाट बैंड और मुन्ना बैंड के पास पहाड़ी बेहद संवेदनशील बनी हुई है।

यहां लगातार पत्थर, बोल्डर और मलबा गिर रहा है।सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात के समय इस हिस्से में यातायात रोक दिया गया है। जालंधर-पठानकोट में गुरवार सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज राज्य के सभी जिलों और चंडीगढ़ में बारिश की संभावना जताई है।

अमृतसर में एएसआई की गोली मारकर हत्या, रात में गश्त के दौरान हमलावरों ने की फायरिंग; मचा हड़कंप

अमृतसर (आरएनएस)। अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात पंजाब पुलिस के एएसआई हरजीत सिंह की गुरुवार रात 2.30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। थाना गेट हकीमां में तैनात हरजीत सिंह दाना मंडी के पास मोटरसाइकिल से गश्त कर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित थाने की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। वारदात के बाद आसपास के इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य भी जुटाने शुरू कर दिए हैं। एएसआई हरजीत सिंह की मौत के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनके परिवार के लिए एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक की ओर से परिवार को एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त बीमा राशि दी जाएगी। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि शहीद एएसआई को पूरे पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस अज्ञात हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस वारदात की कड़ियां जोड़ने में लगी है। एएसआई की हत्या से पंजाब पुलिस विभाग में भी शोक का माहौल है।

बाबा फरीद आगमन पर्व से पहले आतंकी साजिश नाकाम, फरीदकोट में 2 ग्रेनेड के साथ कनाडा का पीआर युवक गिरफ्तार

फरीदकोट (आरएनएस)। बाबा फरीद आगमन पर्व से पहले फरीदकोट में काउंटर इंटेलिजेंस ने कथित आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए दो ग्रेनेड के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुरु अर्जन देव नगर निवासी नवजोत सिंह उर्फ नव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, नवजोत कनाडा का पीआर है और करीब एक सप्ताह पहले ही भारत लौटा था। काउंटर इंटेलिजेंस के मुताबिक, आरोपी के पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से संपर्क होने का संदेह है। आरोप है कि उसने ड्रोन के जरिए विस्फोटक सामग्री मंगवाई थी। टीम ने उसे फिरोजपुर से एक्टिवा पर फरीदकोट आते समय गिरफ्तार किया।

आरोपी के खिलाफ थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, फाजिल्का में एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट और यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। 19 सितंबर से शुरू होने वाले पांच दिवसीय बाबा फरीद आगमन पर्व से पहले हुई इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस आरोपी से उसके नेटवर्क और संभावित निशाने के संबंध में पूछताछ करेगी।

पिता बोले- 12 सितंबर को कनाडा से लौटा था बेटा

आरोपी के पिता सूबा सिंह ने बताया कि उनका बेटा कनाडा का पीआर है और 12 सितंबर को ही भारत लौटा था। उनके मुताबिक, गुरुवार शाम नवजोत ने बताया था कि उसका कोई कोरियर आने वाला है। इसके बाद वह बेटे के साथ कोरियर लेने सादिक चौक पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। सूबा सिंह ने पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और इंसाफ की गुहार लगाई है। पुलिस अब मामले की जांच करते हुए यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के किसी आतंकी नेटवर्क से संबंध हैं या नहीं और बरामद ग्रेनेड कहां से आए थे।

तृणमूल के दोनों गुटों ने चुनाव आयोग को सौंपे नए नाम और चुनाव चिह्न के विकल्प

कोलकाता (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों ने चुनाव आयोग को अपने-अपने नए पार्टी नाम और चुनाव चिह्न के विकल्प सौंप दिए हैं। एक गुट पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाला मूल लेकिन अल्पमत वाला गुट है, जबकि दूसरा पार्टी से निकाले गए विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला बागी लेकिन बहुमत वाला गुट है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने गुरुवार आधी रात के बाद नाम और चिह्न के लिए तीन-तीन विकल्प आयोग को भेजे। वहीं, रितब्रत बनर्जी के गुट ने शुक्रवार सुबह अपने विकल्प भेजे। चुनाव आयोग ने नए नाम और चिह्न जमा करने की अंतिम समय सीमा शुक्रवार सुबह 11 बजे तक तय की थी। अब आयोग दोनों गुटों के लिए नए नाम और चिह्न फाइनल करेगा, जिसका इस्तेमाल दोनों गुट 6 अक्टूबर को होने वाले नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव में करेंगे।

टीएमसी का नाम-सिंबल फ्रीज होने पर भड़के राहुल गांधी, बोले- वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी, ये लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक

नई दिल्ली (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस में मचे सियासी घमासान के बीच चुनाव आयोग द्वारा पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज किए जाने पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए इसे लोकतांत्रिक पतन का सबसे बड़ा प्रतीक करार दिया। उन्होंने कहा कि पहले शिवसेना और एनसीपी के साथ यही खेल हुआ और अब तृणमूल कांग्रेस को निशाना बनाया गया है।

'वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी'

राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कड़े शब्दों में पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि देश में हर बार एक ही तय पैटर्न दोहराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर पहले किसी पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिन्ह छीन लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी की पूरी पार्टी ही चुराई जा सकती है, तो फिर करोड़ों भारतीयों के वोटों की चोरी होना कोई हैरानी की बात नहीं रह जाती। राहुल ने कहा कि वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी—ये सब भारत के लोकतांत्रिक पतन की पहचान बन चुके हैं।

चुनाव आयोग पर साधा निशाना, निष्पक्षता पर उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने चुनाव आयोग की भूमिका को भी सीधे कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि आयोग का संवैधानिक दायित्व जनता के दिए जनादेश की हिफाजत करना है, लेकिन वह उल्टा उन ताकतों की मदद कर रहा है जो सीधे जनमत को पलटने का काम करती हैं। राहुल गांधी ने विपक्षी दलों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल ममता बनर्जी या उनकी पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के हर उस राजनीतिक दल और नागरिक की लड़ाई है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था में यकीन रखता है।

चुनाव आयोग ने दोनों गुटों के लिए फ्रीज किया सिंबल

दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तृणमूल कांग्रेस के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के लिए पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न अंतरिम तौर पर फ्रीज कर दिया है। आयोग के इस आदेश के बाद अंतिम फैसला आने तक न तो ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला धड़ा और न ही ऋत्ब्रत बनर्जी का बागी गुट किसी भी चुनाव में टीएमसी के नाम या उसके सिंबल का उपयोग कर सकेगा।

हाईवे पर छोड़े आवारा पशु तो नपेंगे मालिक, सरकार ने जारी किया सख्त फरमान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों और तेज रफ्तार एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भरने वाले वाहन चालकों को अब अचानक सामने आने वाले आवारा पशुओं के खतरे से मुक्ति मिलने जा रही है। हाईवे पर बेसहारा मवेशियों के कारण आए दिन होने वाले जानलेवा सड़क हादसों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में एक विस्तृत 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' जारी किया है। नए नियमों के तहत यदि किसी ने अपने पशुओं को हाईवे या एक्सप्रेसवे पर लावारिस छोड़ा, तो मालिक की पहचान कर उस पर भारी-भरकम जुर्माना ठोका जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद एक्शन में मंत्रालय

सड़क परिवहन मंत्रालय का यह सख्त कदम सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद सामने आया है, जिसमें हाईवे से आवारा पशुओं को हटाने के लिए एक ठोस और स्थायी तंत्र विकसित करने का आदेश दिया गया था। शीर्ष अदालत ने सड़कों पर पशुओं की वजह से होने वाली भीषण दुर्घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत के कड़े रुख के बाद केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से यह एसओपी जारी की है, जिसका प्राथमिक मकसद तेज रफ्तार वाली सड़कों को पूरी तरह सुरक्षित और दुर्घटनामुक्त बनाना है।

एनएचएआई और राज्य एजेंसियां संभालेंगी मोर्चा

नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण , एनएचआईडीसीएल और राज्यों के लोक निर्माण विभाग में नोडल एजेंसियां गठित की जाएंगी। ये टीमें सबसे पहले हाईवे के उन डेंजर ज़ोन और ब्लैक स्पॉट्स की पहचान करेंगी, जहां मवेशियों के कारण सबसे ज्यादा हादसे दर्ज किए जाते हैं। इसके बाद इन जानवरों को बेहद सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित एनिमल शेल्टर होम में भेजा जाएगा।

कई राज्यों में विलेन बना मौसम, सैकड़ों सड़कें प्रभावित

चंडीगढ़, (आरएनएस)। देश के कई राज्यों में मौसम आफत बन चुका है। इस आफत ने कई सड़कों को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में तो बर्फबारी ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। हिमाचल के गुरवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ ईंच बर्फ गिरी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी के काबुल गली में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली स्थित रुद्रनाथ जी में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है। वहीं, पिछले दिनों भारी बारिश से क्षतिग्रस्त अर्धकुंवारी-हिमकोटी मार्ग आखिरकार दुरुस्त कर लिया गया है।

बुधवार सुबह करीब सात बजे इस मार्ग को श्रद्धालुओं की पैदल आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया। इससे भवन की ओर जाने वाले मां वैष्णो देवी के भक्तों ने राहत की सांस ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में लगातार भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिथौरागढ़-घाट राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर घाट बैंड और मुन्ना बैंड के पास पहाड़ी बेहद संवेदनशील बनी हुई है।

यहां लगातार पत्थर, बोल्डर और मलबा गिर रहा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात के समय इस हिस्से में यातायात रोक दिया गया है। जालंधर-पठानकोट में गुरवार सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज राज्य के सभी जिलों और चंडीगढ़ में बारिश की संभावना जताई है।

पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला, फेंके गए अंडे-टमाटर

बटाला (आरएनएस)। पंजाब के बटाला में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमला हुआ है। कुछ लोगों ने उनके काफिले पर अंडे और टमाटर फेंके। इस हमले के बाद बिट्टू ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और तीन हमलावरों को पकड़ने का दावा किया है। रवनीत सिंह बिट्टू पर बटाला के घासीतपुर गांव के पास हमला हुआ है। वह ड्रग्स के खिलाफ भाजपा की यात्रा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी बीच उनके काफिले पर हमला हुआ। कई लोगों ने अंडे और टमाटर फेंके। साथ ही, लोगों को नारेबाजी करते हुए देखा गया। बिट्टू ने दावा किया कि इस हमले में उनकी गाड़ी के शीशे भी टूटे हैं। घटनास्थल पर ही रवनीत बिट्टू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, आज हमें ड्रग्स के खिलाफ एक यात्रा निकालनी थी, क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार और ड्रग एडिक्ट्स सब मिले हुए हैं। वे पिछले साढ़े चार साल से यही कर रहे हैं। वहां करीब 500 लोग थे। मैं अपनी गाड़ी से उनके बीच से गुजरा। मेरे पास जेड-प्लस सिक्योरिटी है और मेरे साथ करीब 100 सुरक्षाकर्मी होते हैं। सुरक्षा के लिए स्थानीय डीएसपी और एसपी भी पुलिस के साथ वहां मौजूद थे।

उन्होंने तीन लोगों को पकड़ने का दावा करते हुए कहा कि इन लोगों को फोन जब्त कर लिए गए हैं। उनके फोन चालू हैं, जिन पर लगातार कहा जा रहा था कि उन्हें घेरो, उन्हें मारो, उनकी जान ले लो। उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और गाड़ियों की खिड़कियां तोड़ दीं। अंडे और टमाटर तो छोटी बात है। उनमें से कुछ के पास हथियार भी थे।

दिल्ली में किशोरी से गैंगरेप के बाद चाकू से गोदकर हत्या, प्रेमी ने दोस्तों संग की दरिंदगी; खुले मैदान में मिला नोंचा हुआ शव

नई दिल्ली (आरएनएस)। बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप के बाद बर्बरता से हत्या करने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरिंदगी की इस वारदात को किशोरी के कथित प्रेमी ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस की शिकायत के डर से आरोपियों ने किशोरी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी जान ले ली। दिल्ली पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद एक संदिग्ध टेंपो के जरिए इस खौफनाक वारदात की गुत्थी सुलझाते हुए मुख्य आरोपी और तीन नाबालिगों को दबोच लिया है।

खुले मैदान में मिला था नोंचा हुआ शव, पहचान में आई मुश्किल

वारदात का खुलासा 13 सितंबर की सुबह तब हुआ, जब स्वरूप नगर थाना पुलिस को कुशक रोड स्थित लाल बाउंड्री के पास जयपाल राणा के खेत के खुले मैदान में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। शव बेहद क्षत-विक्षत हालत में था और जंगली जानवरों ने उसे बुरी तरह नोंच खाया था। चेहरे और शरीर की हालत देखकर शुरुआत में पुलिस ने उसे किसी वयस्क महिला का शव समझा था। क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बाद में जब परिजनों ने पहचान की, तब यह खुलासा हुआ कि मृतका महज एक नाबालिग किशोरी थी।

50 कैमरों की फुटेज और एक संदिग्ध टेंपो से खुला राज

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त लोकेश वरन के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के सभी रास्तों की पड़ताल शुरू की। अंधेरा होने के बावजूद 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच करने पर एक संदिग्ध टेंपो की हलचल नजर आई। नंबर प्लेट साफ न दिखने पर पुलिस ने अलग-अलग चौराहों के कैमरों को जोड़कर टेंपो का पूरा रूट ट्रैक किया। आखिरकार 15 सितंबर की रात यह टेंपो खड़ा कॉलोनी में खड़ा मिल गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की, जिसके बाद पूरे हत्याकांड की परतें खुलती चली गईं।

शराब पार्टी के बाद हैवानियत, फिर भेद खुलने के डर से कत्ल

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी मृतका का कथित प्रेमी था। वारदात वाली रात उसने अपने दोस्तों के साथ पहले जमकर शराब पी। इसके बाद चारों ने मिलकर सुनसान इलाके में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। हैवानियत के बाद आरोपियों को डर सताने लगा कि किशोरी घर जाकर परिजनों या पुलिस से इसकी शिकायत कर देगी। इसी खौफ में उन्होंने चाकू निकालकर किशोरी पर ताबड़तोड़ वार किए और उसे तड़प-तड़प कर मरने के लिए खुले मैदान में फेंक कर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल दो चाकू, घटना के समय पहने गए खून से सने कपड़े और टेंपो को जब्त कर लिया है।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल की आहट, मंत्रियों का 'रिपोर्ट कार्ड' परखेंगे पीएम ; 23-24 सितंबर को महामंथन

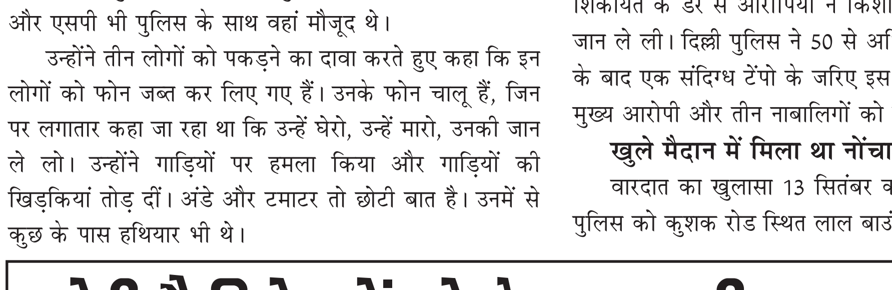

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र की सत्ता में अपने तीसरे कार्यकाल के अहम पड़ाव पर खड़ी मोदी सरकार में क्या जल्द ही बड़ा फेरबदल होने जा रहा है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगले सप्ताह बुलाई गई दो दिवसीय विशेष 'चिंतन बैठक' ने राजनीतिक गलियारों और लुटियंस दिल्ली में हलचल तेज कर दी है। 23 और 24 सितंबर को होने वाली इस हाई-प्रोफाइल बैठक में सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों को दिल्ली में ही मौजूद रहने का फरमान जारी किया गया है। आधिकारिक तौर पर इसे नीतियों और प्रशासनिक सुधारों की समीक्षा बताया जा रहा है, लेकिन बैठक के समय को देखते हुए मंत्रिपरिषद में व्यापक फेरबदल की अटकलें चरम पर हैं।

समूह बनाकर होगी मंत्रियों के काम की कसौटी

यह बैठक नियमित कैबिनेट बैठकों की तरह केवल फैसलों पर मुहर लगाने वाली नहीं होगी, बल्कि एक गहन मंथन सत्र के रूप में आयोजित की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों को अलग-अलग समूहों में बांटा जाएगा, जहां वे शासन व्यवस्था, संवाद, सुधार और जनहित के मुद्दों पर सीधे विचार-विमर्श करेंगे। कई प्रमुख मंत्रालयों को अपनी उपलब्धियों और सुधारों पर विशेष प्रेजेंटेशन देने के निर्देश भी दिए गए हैं। पीएम मोदी स्वयं यह परखेंगे कि फाइलों में बनी नीतियां धरातल पर आम जनता के 'ईज ऑफ लिविंग' में कितना बदलाव ला पा रही हैं।

टाइमिंग ने उड़ाई नींद, फेरबदल की सुगबुगाहट तेज

राजनीतिक हलकों में इस चिंतन बैठक को संभावित कैबिनेट फेरबदल की पृष्ठभूमि के तौर पर देखा जा रहा है। सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के रणनीतिक मोड़ पर है और आने वाले महीनों की राजनीतिक व नीतिगत चुनौतियों से निपटने के लिए नई ऊर्जा की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में मंत्रियों के प्रदर्शन, काम की रफ्तार और मंत्रालयों के बीच तालमेल के आधार पर जिम्मेदारियों में फेरबदल की संभावनाओं को हवा मिल गई है। हालांकि, सरकार या संगठन की ओर से इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

2021 के बाद नहीं हुआ कोई बड़ा उलटफेर

मोदी सरकार के इतिहास पर नजर डालें तो आखिरी बार व्यापक स्तर पर मंत्रिमंडल में फेरबदल 7 जुलाई 2021 को किया गया था, जब कई बड़े चेहरों की छुट्टी कर नए नेताओं को मौका दिया गया था। इसके बाद 2024 में तीसरे कार्यकाल के गठन के बाद से अब तक मंत्रिपरिषद में कोई बड़ा संगठनात्मक बदलाव देखने को नहीं मिला है। यही वजह है कि 23 और 24 सितंबर को होने वाली इस दो दिवसीय समीक्षा बैठक को मंत्रियों के भविष्य और सरकार के नए रोडमैप के लिहाज से बेहद निर्णायक माना जा रहा है।

राघव चड्ढा ने आप को एक्स गर्लफ्रेंड बताकर किया कटाक्ष, कहा- कहीं अपने हाथ की नस न काट लें

गुरदासपुर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि उनका हाल एक्स-गर्लफ्रेंड जैसा है। मुझे उनकी चिंता होती है कि कहीं किसी दिन मेरी याद में अपने हाथ की नसें न काट लें।

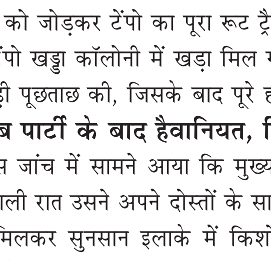

भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब के गुरदासपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उनका (आम आदमी पार्टी) हाल उस एक्स-गर्लफ्रेंड जैसी है, जिसका बॉयफ्रेंड उसे छोड़कर आगे निकल गया और जिंदगी में आगे निकल गया है, लेकिन अब भी वो मेरे इश्क और प्यार में पागल हैं। मुझे उनकी चिंता होती है कि कहीं किसी दिन मेरी याद में अपने हाथ की नसें न काट लें। राघव चड्ढा शुक्रवार को गुरदासपुर में भाजपा की नशे के खिलाफ शुरू हो रही यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे। बता दें कि पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा राज्य में शुरू से चार यात्राएं शुरू कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इन यात्राओं का आगाज करेंगे।

पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष रविकरण सिंह काहलों ने कहा कि पंजाब, पंजाब के युवा और यहां की जमीन को बचाने के लिए भाजपा प्रदेश में यात्रा निकालने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह यात्रा 10 जिलों को कवर करेगी और 35 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान नशे के शिकार हुए युवाओं और परिवारों से मुलाकात की जाएगी। हमारा संकल्प और उद्देश्य पंजाब की धरती से नशे को खत्म करना है। इसलिए, इस यात्रा का नाम नशा मुक्त पंजाब यात्रा रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब से नशे, गैंगस्टर और भ्रष्टाचार को खत्म करके एक अच्छी सरकार देनी है। यहां डबल इंजन की सरकार बनानी है, ताकि पंजाब को राष्ट्र में प्रथम स्थान पर लाया जा सके।

अमेरिका में सिख ट्रक चालक को 17 बार चाकू मारकर घायल किया, ट्रंप प्रशासन पर सवाल

वाशिंगटन, (ए.)। अमेरिका के व्योमिंग राज्य में एक विश्राम स्थल पर 28 वर्षीय सिख ट्रक चालक को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। आरोपी को 17 बार चाकू मारा गया था। पीड़ित सैक्रामेंटो के रहने वाले हैं। उनकी गर्दन, छाती, बांहों और पसलियों में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। उसने घटना से कुछ दिन पहले अप्रवासियों को लेकर विवादित पोस्ट की थी।

पीड़ित चालक का नाम केवल सिंह है। उन्होंने पुलिस को बताया कि रविवार तड़के इंटरस्टेट 80 पर स्थित बिटर क्रीक रेस्ट एरिया के एक बाथरूम में उनके ऊपर पीछे से हमला हुआ था।

वह पेंसिल्वेनिया की ओर जाते समय वॉशरूम का इस्तेमाल कर रहा था, तभी हमलावर ने अचानक गर्दन, छाती, बांहों और पसलियों पर कई जगह चाकू से वार किए।

वह किसी तरह वॉशरूम से बाहर निकलने में कामयाब रहा, जिसके बाद वह बाहर गिर पड़ा।

घटना के बाद विश्राम स्थल पर मौजूद एक हिस्पैनिक परिवार ने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को संदिग्ध के ट्रक के बारे में जानकारी दी। व्योमिंग हाईवे पेट्रोल ने विश्राम क्षेत्र से लगभग 113 किलोमीटर दूर रॉलिन्स के पास वाहन को रोका और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान एंड्रयू क्रिस बज़्दक के रूप में हुई। ब्जदक पर फर्स्ट-डिग्री हत्या की कोशिश का आरोप लगाया गया है। अभी हमले के कारणों का पता नहीं चला है।

चाकूबाजी की घटना तब हुई, जब अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से निर्मित ट्रांसफॉर्मर-शैली के एक ग्राफिक को पोस्ट किया था। उसमें ट्रंप प्रशासन ने अवैध और अप्रवासी ट्रक चालकों पर की जा रही कार्रवाई के तहत 'सिंह' नामक एक सिख व्यक्ति को निशाना बनाया था।

ऑस्ट्रेलिया में बेटे से मिलने पहुंचीं भारतीय महिला और उनकी बहू की सड़क हादसे में मौत

मेलबर्न,(ए.)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में अपने बेटे से मिलने पहुंचीं आंध्र प्रदेश की 67 वर्षीय रमा देवी की सड़क हादसे में मौत हो गई। उनकी कार एक पोर्श कार से टकरा गई थी। घटना के समय रमा देवी के साथ उनकी 33 वर्षीय बहू नेहा बोम्माली भी थीं, जिनकी मौत हुई है। नेहा के परिवार में उनके पति और 2 बच्चे हैं, जिनकी उम्र 10 वर्ष से कम है। रमा देवी 2 महीने पहले अपने बेटे से मिलने मेलबर्न गई थीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा पॉइंट कुक के पामर्स रोड पर हुई, तब रमा देवी और नेहा जीटी प्रसाद के साथ टोयोटा कार में यात्रा कर रही थीं।

खबरों के मुताबिक दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रसाद दुर्घटना में बच गए। आसपास के लोग उनकी मदद को दौड़े, लेकिन उन्हें बचा नहीं सके।

पोर्श कार के चालक की पहचान प्वाइंट कुक निवासी 53 वर्षीय व्यक्ति के रूप में हुई है। वह पुलिस हिरासत में है।

विशाखापट्टनम की रहने वाली रमा देवी के पति जीटी प्रसाद, विशाखापट्टनम जिला क्रिकेट संघ के पूर्व संयुक्त सचिव और हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के पूर्व कर्मचारी हैं।

रमा 2 महीने पहले अपने परिवार से मिलने, अपने पोते-पोतियों के साथ समय बिताने और एक पारिवारिक समारोह में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया गई थीं।

नेहा के पति वरुण चंद्र गुना नेहा और रमा देवी को भारत वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं।

बाांग्लादेश एयरलाइंस की उड़ान में यात्रियों में हुई हिंसक झड़प, कपड़े फाड़ने के साथ हुई हाथापाई

ढाका,(ए.)। विमान यात्रा में यात्रियों के दुर्व्यवहार और आपस में भिड़ जाने का एक बेहद हैरान करने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस की लंदन से बांग्लादेश आ रही एक उड़ान में 2 यात्रियों के बीच हवा में ही लात-घूंसे चल गए। बीच आसमान में हुई इस हिंसक झड़प का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने उड़ान के दौरान विमान की सुरक्षा और व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान जब आसमान में थी, तब 2 पुरुष यात्रियों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हुई। देखते ही देखते यह जुबानी जंग शारीरिक हिंसा में बदल गई। विमान के अंदर अचानक हुई इस हाथापाई के कारण सह-यात्रियों में हड़कंप मच गया।

वायरल फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि दोनों शख्स एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ मुक्के बरसा रहे हैं। इस खूनी झड़प के दौरान एक यात्री की टी-शर्ट तक फट जाती है।

हवा में चल रहा यह हाई-वोल्टेज ड्रामा तब तक शांत नहीं हुआ, जब तक विमान के चालक दल के सदस्यों और कुछ अन्य साहसी यात्रियों ने बीच-बचाव नहीं किया।

उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों हिंसक यात्रियों को पकड़कर एक-दूसरे से अलग किया, जिसके बाद स्थिति पर काबू पाया जा सका। शुरुआती रिपोर्टों में इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है कि दोनों यात्रियों के बीच विवाद किस बात को लेकर शुरू हुआ था। इस गंभीर घटना को लेकर जब बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के महाप्रबंधक महबुबुद्दीन अहमद से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास इस घटना की कोई आधिकारिक जानकारी या रिपोर्ट नहीं आई है। हालांकि, बाद में उन्होंने मामले की जांच किए जाने की बात कही है।

आरोपी यात्रियों को सुरक्षा एजेंसियों के हवाले किया या नहीं और उनके खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई की गई, इस पर एयरलाइंस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अमेरिका में लागू हुआ नया आव्रजन नियम, भारतीय ग्रीन कार्ड आवेदकों पर पड़ेगा सीधा असर

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका की सरकार ने ग्रीन कार्ड (स्थायी निवास) की चाह रखने वाले विदेशी नागरिकों, विशेषकर भारतीय पेशेवरों के लिए शुक्रवार (18 सितंबर) से नियमों में एक बड़ा बदलाव लागू कर दिया है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने साल 2022 के 'पब्लिक चार्ज' नियमों को रद्द कर दिया है। इसकी जगह अब अमेरिकी नागरिकता और आप्रवासन (यूएससीआईएस) को यह तय करने का अधिकार दिया है कि कौन भविष्य में अमेरिकी सरकार पर आर्थिक रूप से बोझ बन सकता है।

यह नया नियम 18 सितंबर या उसके बाद किए जाने वाले फॉर्म आई-485, स्थायी निवास पंजीकरण या स्थिति समायोजन के लिए आवेदन पर लागू होगा। इससे पहले दाखिल किए गए और लंबित आवेदनों पर पूर्व नियम लागू होगा। फेडरल रजिस्टर में स्पष्ट किया है कि 18 सितंबर से पहले प्राप्त आय-आधारित सार्वजनिक लाभों को 2022 के नियम के अनुरूप माना जाएगा। नए आवेदनों पर ही नया नियम लागू किया जाएगा।

नए ढांचे के तहत कोई निश्चित वेतन या आय की सीमा तय नहीं की गई है, जिसके नीचे आने पर आवेदन खारिज हो जाए।

इसके बजाय, यूएससीआईएस के अधिकारी अब आवेदक की समग्र परिस्थितियों का आकलन करने के लिए 5 कानूनी कारकों को एक साथ मिलाकर देखेंग।

इनमें आवेदक की उम्र, स्वास्थ्य की स्थिति, पारिवारिक स्थिति, संपत्ति, संसाधन और वित्तीय स्थिति, शिक्षा का स्तर और कौशल शामिल होगा। उसके बाद ही उनके आवेदनों पर निर्णय होगा।

पहले के नियमों में सरकार केवल नकद सहायता या दीर्घकालिक संस्थागत देखभाल पर ध्यान देती थी, लेकिन नए नियम में बदलाव किए गए हैं। अब किसी आवेदक के नकद सहायता, आवास सहायता, खाद्य

सहायता और सरकार द्वारा वित्त पोषित कुछ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया है, तो उन्हें भी मामलों के हिसाब से जांच के दायरे में शामिल किया जा सकता है। अधिकारी पूरे मामले की समग्रता को देखकर ही आवेदन पर अंतिम फैसला लेंगे। यह बदलाव विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों और अन्य कुशल कामगारों के लिए प्रासंगिक है जो अस्थायी अमेरिकी आप्रवासन स्थिति से स्थायी निवास में परिवर्तित हो रहे हैं।

इनमें ईबी-1 में शामिल प्राथमिकता वाले कर्मचारी, ईबी-2 में शामिल उन्नत डिग्री वाले पेशेवर, ईबी-3 में शामिल कुशल कर्मचारी और पेशेवर, कुछ अन्य कर्मचारी, निवेशक और कुछ धार्मिक कार्यकर्ता शामिल हैं। हालांकि, बोझ माने जाने के लिए आवेदक की ग्रीन कार्ड श्रेणी और व्यक्तिगत परिस्थितियां मायने रखेंगी।

अमेरिकी नागरिकों के विदेशी जीवनसाथी, माता-पिता या बच्चों के पारिवारिक-स्पॉन्सरशिप वाले आवेदनों पर भी नया पब्लिक चार्ज टेस्ट लागू होगा।

हालांकि, शरणार्थियों, एसिली, मानव तस्करी के पीड़ितों और कुछ विशेष श्रेणियों को इस पब्लिक चार्ज नियम से पूरी तरह बाहर रखा गया है।

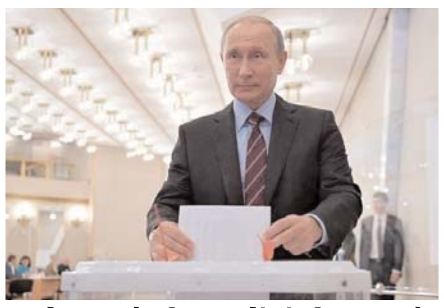

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में संसदीय चुनाव के लिए मतदान शुरू, पुतिन का अहम बयान

मॉस्को, (ए.)। यूक्रेन के साथ साढ़े 4 साल से जारी भीषण युद्ध के बीच रूस में शुक्रवार से 3 दिवसीय संसदीय चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है। इन चुनावों में रूसी संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के 450 सदस्य चुने जाएंगे। हालांकि, राजनीतिक परिदृश्य में कोई वास्तविक विपक्ष नहीं है, क्योंकि कई दलों को देश में प्रवेश से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सत्तारूढ़ यूनाइटेड रूस पार्टी को चुनावों में बहुमत सीटें जीतने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान शुरू होने से ठीक पहले रूसी नागरिकों को संबोधित करते हुए चुनाव को देश की संप्रभुता और सेना के सम्मान से जोड़ा है।

उन्होंने कहा, आपका चुनाव और आपका संकल्प एक बार फिर यह प्रदर्शित करेगा कि लाखों लोग हमारे सैनिकों के पीछे खड़े हैं। यह साबित करेगा कि हम एक संयुक्त जनता हैं, जो साझा मूल्यों, ऐतिहासिक स्मृति और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम से बंधी हुई है।

इन चुनावों में रूसी राजनीति पर क्रेमलिन की पकड़ स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

मनोरंजन

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल, राज़ रीबूट से शुरू हुआ था हिंदी सिनेमा का सफर

दस साल पहले कृति खरबंदा ने राज़ रीबूट के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इस फिल्म से शुरू हुआ उनका सफर पिछले एक दशक में अलग-अलग फिल्मों, किरदारों और जॉनर से होकर गुजरा है। हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति

का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा।

राज़ रीबूट के बाद कृति ने शादी में ज़रूर आना, वीरे दी वेडिंग, हाउसफुल 4, पागलपंती और तैश जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, तैश जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गई।

कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए।

बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। राणा नायडू 2 के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

राज़ रीबूट के 10 साल बाद कृति खरबंदा का सफर सिर्फ एक फिल्म से दूसरी फिल्म तक पहुंचने की कहानी नहीं है, बल्कि अलग-अलग किरदारों और अनुभवों के साथ आगे बढ़ने की कहानी भी है। सुपरनैचुरल थ्रिलर से शुरुआत करने वाली कृति ने इन वर्षों में रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। राज़ रीबूट उनके हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत का अहम पड़ाव बना हुआ है और एक दशक बाद उनका सफर लगातार नए किरदारों और नई कहानियों की ओर बढ़ रहा है।

स्क्रीन से दूर रहकर अपनाएं ये 5 आरामदायक गतिविधियां, स्वास्थ्य के लिए हैं लाभदायक

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में आराम करना बहुत जरूरी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्क्रीन से दूर रहकर भी आप आराम कर सकते हैं? हां, बिल्कुल! स्क्रीन से दूर रहकर आप अपनी मानसिक शांति को बढ़ा सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप स्क्रीन से दूर रहकर आराम कर सकते हैं और अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव ला सकते हैं।

किताबें पढ़ें

किताबें पढ़ना एक शानदार तरीका है, जिससे आप स्क्रीन से दूर रहकर आराम कर सकते हैं। किताबें न केवल आपके ज्ञान को बढ़ाती हैं, बल्कि आपको मानसिक शांति भी देती हैं।

जब आप किसी अच्छी किताब में खो जाते हैं तो आपका सारा तनाव दूर हो जाता है।

इसके अलावा किताबें पढ़ने से आपकी कल्पना शक्ति भी बढ़ती है और आप नई-नई दुनिया का अनुभव कर सकते हैं। इसलिए किताबें पढ़ने की आदत डालें और इसका आनंद लें।

ध्यान लगाएं

ध्यान लगाना एक बहुत ही असरदार तरीका है, जिससे आप न केवल अपने मन को शांत कर सकते हैं बल्कि अपने शरीर को भी आराम दे सकते हैं।

ध्यान से आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप तनावमुक्त महसूस करते हैं।

इसके अलावा ध्यान से आपकी एकाग्रता शक्ति भी बढ़ती है और

आप जीवन की छोटी-छोटी खुशियों का आनंद ले सकते हैं। इसलिए रोजाना कुछ मिनट ध्यान जरूर करें।

प्रकृति में समय बिताएं

प्रकृति यानी पेड़-पौधे, फूल-फूल आदि में समय बिताना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

पार्क या बगीचे में टहलना, पक्षियों की चहचहाहट सुनना या बस खुले आसमान के नीचे बैठकर ताजगी महसूस करना आपके मन को शांति देता है।

इसके अलावा प्राकृतिक माहौल में समय बिताने से आपकी सेहत भी बेहतर रहती है। इसलिए रोजाना कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने की कोशिश करें और इसके सभी फायदों का आनंद लें।

संगीत सुनें

संगीत सुनना एक ऐसा साधन है, जिससे आप बिना किसी स्क्रीन के आराम पा सकते हैं। चाहे वह कोई पुराना गाना हो या कोई नई धुन, संगीत सुनने से आपका मन हल्का महसूस करता है और आप तनावमुक्त होते हैं।

इसके अलावा संगीत सुनने से आपकी भावनाओं को भी समझने में मदद मिलती है और आप अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। इसलिए रोजाना कुछ समय संगीत सुनने का जरूर निकालें और इसका पूरा आनंद लें।

लिखें

लिखना एक बहुत ही अच्छा तरीका है अपने विचारों को स्पष्ट करने का। चाहे वह डायरी में रोजाना कुछ पंक्तियां लिखना हो या ब्लॉग पर लेखन करना, लिखने से आपका मन शांत रहता है और आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

इसके अलावा लिखने से आपकी रचनात्मकता भी बढ़ती है और आप नए नजरिए से चीजों को देखने लगते हैं।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म, ओटीटी अभिनेता अंबरीश वर्मा संग बनेगी जोड़ी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर से सारा अर्जुन ने रातों-रात सफलता का स्वाद चखा है। उनकी लोकप्रियता में इस कदर बढ़ोतरी हुई है कि फैंस उनकी अगली परियोजना पर गहराई से नजरें गड़ाए बैठे हैं। ताजा अपडेट है कि सारा को कथित तौर पर उनकी अगली फिल्म मिल चुकी है, जिसका निर्देशन टाइगर 3 वाले मनीष शर्मा करेंगे। यह भी बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने अपनी मौजूदा टैलेंट एजेंसी से अलग होकर वाईआरएफ टैलेंट को जॉइन किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सारा का वाईआरएफ टैलेंट में शामिल होना ऐसे समय में हुआ है, जब वह निर्देशक मनीष की अगली फिल्म में अभिनेता अंबरीश वर्मा के साथ नजर आएंगी।

यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट शाखा, वाईआरएफ टैलेंट पहले ही शरवरी, अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों को मैनेज कर रही है। अब इसका हिस्सा सारा भी होंगी।

अंबरीश की बात करें, तो उन्हें अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज सपने वर्सेस एवरीवन से लोकप्रियता मिल चुकी है।

अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई, तो पहली बार सारा और अंबरीश की जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी। दोनों ही कलाकार बिल्कुल अलग-अलग परियोजनाओं में काम कर चुके हैं।

फिलहाल, आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर में सारा ने यालीना जमाली का किरदार निभाकर दर्शकों को खूब प्रभावित किया है। रणवीर से उम्र में 20 साल छोटी होने के बावजूद दोनों की जोड़ी लोगों को पसंद आई।

क्या आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा? इन संकेतों से लगाएं पता

नमक का सेवन शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। हालांकि, कई लोग स्वास्थ्य पर इसके असर के कारण इसका सेवन कम कर देते हैं या फिर छोड़ देते हैं। ऐसा करने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पाता और इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शरीर को कम नमक मिल रहा है।

पसीना कम आना

अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है तो पसीना कम आने लगता है। नमक का सेवन शरीर में सोडियम का स्तर बनाए रखता है, जो पसीना आने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। अगर शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो पसीना बनना बंद हो जाता है। इसके अलावा नमक की कमी से शरीर में पानी की कमी भी हो जाती है, जिसके कारण पसीना कम आता है।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल पा रहा है।

नमक में मौजूद सोडियम और क्लोराइड शरीर की मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए जरूरी होता है। अगर इनकी कमी हो जाती है तो मांसपेशियों को ठीक से काम करने में परेशानी होने लगती है, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं होती हैं।

सिरदर्द होना

अगर आपके सिर में लगातार दर्द हो रहा है तो यह भी इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में नमक नहीं मिल रहा है।

जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो रक्तचाप के स्तर में बदलाव होने लगता है। रक्तचाप में बदलाव से सिरदर्द होने की संभावना बढ़ जाती है।

डबरी के पानी में डूबने से मृत प्रिंस के वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

कोरिया,(आरएनएस)। कलेक्टर कार्यालय कोरिया द्वारा प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरण में पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत तहसील पटना के ग्राम टेंगनी निवासी स्वर्गीय प्रिंस की 8 सितंबर 2026 को डबरी के पानी में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके वैध वारिस बिजेन्द्र सिंह, पिता सुकुलराम को 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

अपर कलेक्टर बैकुण्ठपुर द्वारा 17 सितंबर 2026 को जारी आदेश में संबंधित तहसीलदार को स्वीकृत सहायता राशि पीड़ित परिवार को तत्काल उपलब्ध कराने तथा प्रकरण की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

साइबर ठगी से बचने सतर्क रहें

रायपुर,(आरएनएस)। ऑनलाइन दुनिया में थोड़ी सी लापरवाही साइबर अपराध का शिकार बना सकती है। साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को सतर्क और सजग रहने की जरूरत है। साइबर सुरक्षा को लेकर आमजन से कुछ जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की गई है।

लोगों को सलाह दी गई है कि अपना ओटीपी, यूपीआई पिन और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अनजान नंबरों से आने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और लॉटरी या इनाम से जुड़े फर्जी दावों पर भरोसा न करें।

बैंक संबंधी जानकारी को भी सुरक्षित रखने की जरूरत है। किसी अज्ञात व्यक्ति के फोन या मैसेज पर बैंक डिटेल, पासवर्ड या अन्य निजी जानकारी साझा न करें। संदिग्ध कॉल आने पर बिना जांच-पड़ताल के कोई कदम नहीं उठाने की सलाह दी गई है।

जेल के आसपास ड्रोन पर रोक

जशपुरनगर, (आरएनएस)। जिला जेल जशपुर तथा जेल की मुख्य दीवारों के बाहर 50 मीटर की परिधि को रेड जोन एवं नो फ्लाई जोन घोषित किया गया है। यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जशपुर के स्थायी आदेश के परिपालन में लागू किया गया है।

जेल अधीक्षक के अनुसार प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग के साथ-साथ हवाई फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और गुब्बारों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने आम नागरिकों एवं अन्य लोगों से आदेश का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जशपुर में जलाया आशीर्वाद का दीया

जशपुर, (आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर जिले में जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंडों और ग्राम पंचायतों तक आशीर्वाद का दीया जलाया गया। 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त करते हुए नागरिकों एवं ग्रामीणों ने आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, वीबीजी राम जी योजना, पीएम जनमन योजना, लखपति दीदी, बिहान दीदी और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की थीम पर रंगोली बनाई गई। इन रंगोलियों के माध्यम से योजनाओं के महत्व को प्रदर्शित करते हुए आकर्षक तरीके से आशीर्वाद के दीये सजाए गए।

छत्तीसगढ़ में फिर बदलेगा मौसम, आज से बारिश के आसार

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने 19 सितंबर से 23 सितंबर तक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे मौसमी सिस्टम के प्रभाव से राज्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल प्रदेश में मानसून की गतिविधियां ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। पिछले 24 घंटे में कई जिले सूखे रहे, जबकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। उत्तर थाईलैंड के ऊपर बना चक्रवाती परिसंचरण 18 सितंबर की शाम तक उत्तर अंडमान सागर पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से 19 सितंबर की शाम उत्तर अंडमान सागर में कम दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान है।

मौसम प्रणाली के अगले तीन-चार दिनों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र तट की ओर जाने की संभावना है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में नमी बढ़ेगी और बारिश की गतिविधियों में तेजी आ सकती है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण प्रदेश में उमस और गर्मी बढ़ी हुई है। कई इलाकों में दिन का तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से पूजा के डॉक्टर बनने के सपने को मिला संबल

रायपुर (आरएनएस)। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के सामने आर्थिक अभाव और विपरीत परिस्थितियां भी बाधा नहीं बन सकतीं। सरगुजा जिले की आदिवासी बेटी कुमारी पूजा सिंह ने अपने संघर्ष और लगन से इसे साबित कर दिखाया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली और 66 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद पूजा ने नीट-2026 में सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में प्रवेश प्राप्त किया है। उनके डॉक्टर बनने के सपने को आर्थिक परिस्थितियों के कारण रुकने न देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से शिक्षण शुल्क के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से अब पूजा के लिए मेडिकल शिक्षा की राह आसान हुई है। राज्य शासन की मंशा है कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभावान विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा आर्थिक अभाव के कारण बाधित न हो। पूजा की पारिवारिक परिस्थितियों और उनकी उपलब्धि को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा उन्हें आवश्यक आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने पूजा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद पूजा ने जिस लगन, आत्मविश्वास और मेहनत के साथ नीट में सफलता हासिल की है, वह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

मजदूर मां की मेहनत और बेटी के हौसले ने दिखाई सफलता की राह

कुमारी पूजा सिंह विकासखंड सीतापुर के ग्राम राधापुर की निवासी हैं। उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पूजा के पिता चक्रधर सिंह दूसरी शादी के बाद अपनी दूसरी पत्नी के साथ निवास करते हैं। ऐसे में परिवार के भरण-पोषण और बेटी की पढ़ाई की जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों पर रही।

सेवा सेतु पोर्टल ने संवारा बेटी का भविष्य, डमरूधर को घर बैठे मिला जाति प्रमाण पत्र

रायपुर, (आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ में डिजिटल गवर्नेंस की गूंज अब ग्रामीण आंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। शासन की योजनाओं और डिजिटल सेवाओं को पारदर्शी व त्वरित रूप से नागरिकों तक पहुंचाने की यह पहल कुम्हारी (कोसीर) निवासी श्री डमरूधर के लिए उस समय एक बड़ा सहारा बनी, जब उनकी बेटी के शैक्षणिक भविष्य के लिए जाति प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी।

कार्यालयों के चक्करों से मुक्ति, समय पर मिला समाधान

डमरूधर की बेटी को शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश और छात्रवृत्ति से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए अतिशीघ्र जाति प्रमाण पत्र जमा करना था। पहले ऐसे दस्तावेजों के लिए सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन डमरूधर ने समय की नजाकत को समझते हुए 'सेवा सेतु पोर्टल' के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया।

आवेदन जमा होते ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए डिजिटल माध्यम से दस्तावेजों का सत्यापन किया।

भू-राजस्व संहिता में सुधार से जमीन मालिकों को राहत, कम हुए कोर्ट-कचहरी के चक्कर

रायपुर, (आरएनएस)। भूमि से जुड़े राजस्व मामलों में होने वाली प्रशासनिक जटिलताओं, लंबी प्रक्रियाओं और बार-बार की पेशियों से नागरिकों को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 में किए गए संशोधनों से राजस्व व्यवस्था में बदलाव आया है। नामांतरण, सीमांकन, अभिलेख और न्यायालयीन प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से जमीन मालिकों के लिए प्रक्रियाएं अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है।

रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया हुई आसान

संशोधनों के तहत धारा 110 में किए गए प्रावधानों के माध्यम से स्वत: ई-नामांतरण की व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है। पंजीयन प्रक्रिया के साथ नामांतरण की कार्रवाई जुड़ने से भूमि संबंधी रिकॉर्ड को अपडेट करने की प्रक्रिया आसान हुई है। इसके साथ ही, भूमि मालिकों को अपने जीवनकाल में ही कानूनी वारिसों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने की सुविधा का उल्लेख किया गया है, जिससे भविष्य में उत्तराधिकार से जुड़े विवादों की संभावना कम की जा सकती है।

डिजिटल व्यवस्था से नोटिस और प्रकरणों में तेजी

धारा 33 के तहत नोटिस और आधिकारिक सूचनाओं के लिए डिजिटल माध्यमों को कानूनी मान्यता दी गई है। वहीं धारा 30 के तहत राजस्व न्यायालयों में अभिलेखों, प्रकरणों और फाइलों के डिजिटल प्रेषण की व्यवस्था से मामलों की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और तेज बनाने पर जोर दिया गया है।

जिओ-रेफरेंस्ड नक्शों से सीमांकन में पारदर्शिता

भूमि सीमांकन और नक्शों से जुड़े मामलों में धारा 107 के तहत अधिसूचित जिओ-रेफरेंस्ड नक्शों को प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इससे भूमि की स्थिति और सीमाओं से संबंधित रिकॉर्ड को अधिक सटीक तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वहीं धारा 70 के प्रावधानों से कृषि जोत के अनावश्यक विखंडन पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है।

5 लाख की सुपारी देकर एलआईसी एजेंट की हत्या, दामाद समेत 3 गिरफ्तार

फर्जी नंबर प्लेट से पुलिस को गुमराह करने की कोशिश

अंबिकापुर, (आरएनएस) शहर के रसूलपुर इलाके में 64 वर्षीय एलआईसी एजेंट बशीरुद्दीन की दिनदहाड़े हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक के दामाद मो. नाजिम शबा (30) ने कथित तौर पर 5 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या की साजिश रची थी। मामले में पुलिस ने नाजिम के अलावा झारखंड से आए कथित शूटर कंचन (28) और स्थानीय मददगार नेजारूद्दीन उर्फ गुड्डू (32) को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी आकाश और फिरोज फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद और फैमिली कोर्ट में चल रहा तलाक का मामला सामने आया है। नाजिम की पत्नी सादिया ने तलाक के लिए कोर्ट में मामला दायर किया था। आरोप है कि नाजिम इस बात से नाराज था कि उसके ससुर बशीरुद्दीन अपनी बेटी का समर्थन कर रहे थे। पुलिस का दावा है कि तलाक के मामले में फैसला आने से पहले नाजिम ने ससुर को रास्ते से हटाने की कथित योजना बनाई। जांच में पुलिस को पता चला कि झारखंड के पलामू क्षेत्र से कथित शूटरों से संपर्क किया गया था और हत्या के लिए 5 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। एडवांस रकम मिलने के बाद शूटर अंबिकापुर पहुंचे।

खेल समाचार

एशियन गेम्स : भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा, सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला

निशिन (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा

ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं। उनके साथ ऋचा घोष 6 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। जी कामालिनी शून्य और भारती फूलमाली 6 रन बनाकर आउट हुईं।

भारत ने 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का मुकाबला बांग्लादेश को होगा। बांग्लादेश ने चीन के खिलाफ बारिश की वजह से मैच रद्द होने और आईसीसी में चीन से बेहतर रैंक होने के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

भारत और बांग्लादेश की टीम हाल ही में एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में दुबई में आमने-सामने थीं। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी और फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

कौन होगा टीम इंडिया का नया चीफ सिलेक्टर? इस नाम की हो रही चर्चा, शुभमन गिल की गुजरात टीम के है असिस्टेंट कोच

मुंबई (ए.)। अजीत अगरकर का कार्यकाल अक्तूबर में खत्म होने वाला है और बीसीसीआई ने उनके भविष्य पर फैसला लेने का अधिकार पदाधिकारियों को दे दिया है। अगर बदलाव हुआ तो शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच का नाम नए चीफ सिलेक्टर के लिए चर्चा में है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की 95वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। अगरकर का मौजूदा कार्यकाल अक्तूबर की शुरुआत में खत्म होने वाला है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बीसीसीआई उन्हें एक और मौका देगा या सीनियर चयन समिति की जिम्मेदारी किसी नए चेहरे को सौंपी जाएगी।

एजीएम में बीसीसीआई की सदस्य इकाइयों ने चयन समितियों से जुड़े मामलों पर फैसला लेने के लिए बोर्ड के पदाधिकारियों को अधिकृत कर दिया है। इसका मतलब है कि अब अगरकर के कार्यकाल को आगे बढ़ाने या उनकी जगह नया मुख्य चयनकर्ता नियुक्त करने का फैसला बीसीसीआई के पदाधिकारी करेंगे। हालांकि, बैठक के दौरान इस संबंध में कोई अंतिम घोषणा नहीं हुई।

अगरकर की जगह पार्थिव पटेल का नाम चर्चा में क्यों?

अगर बीसीसीआई सीनियर चयन समिति में बदलाव करने का फैसला करता है, तो पार्थिव पटेल संभावित उम्मीदवारों में शामिल हो सकते हैं। उनके नाम की चर्चा मार्च 2026 से समय-समय पर होती रही है। पार्थिव पटेल का भारतीय क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। वह टीम इंडिया के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर खेल चुके हैं। सक्रिय क्रिकेट से संन्यास लिए उन्हें पांच साल से अधिक समय हो चुका है।

बेन सॉयर ने चार साल के कार्यकाल के बाद न्यूजीलैंड महिला टीम के हेड कोच का पद छोड़ा

नई दिल्ली (ए.)। बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के हेड कोच का पद छोड़ दिया है। वह इस पद पर चार साल तक रहे। सॉयर को जून 2022 में न्यूजीलैंड महिला टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उनका अनुबंध दिसंबर 2026 में खत्म होने वाला था। हाई-परफॉर्मेंस स्ट्रक्चर की समीक्षा प्रक्रिया के बाद उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया। बेन सॉयर ने अपनी कोचिंग में न्यूजीलैंड महिला टीम को 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक और टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाया। न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से सॉयर ने कहा, व्हाइट फर्न्स (न्यूजीलैंड महिला टीम) का कोच बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। मैं इस ग्रुप को लीड करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं। यह टीम मेरे लिए बहुत मायने रखती है। पिछले चार सालों में हमने जो हासिल किया है। उस पर मुझे सच में गर्व है। मैं टीम छोड़ने से निराश हूं, लेकिन मैं टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट ऑफिसर, डेरिल गिब्सन ने सॉयर के कार्यकाल पर कहा, बेन ने व्हाइट फर्न्स के लिए काफी बदलाव और तरक्की का दौर देखा है। हम महिलाओं के खेल में उनकी प्रतिबद्धता, पेशेवर रवैये और समय के लिए बहुत आभारी हैं।

गिब्सन ने कहा, यह एक मुश्किल फैसला था जो हल्के में नहीं लिया गया था, लेकिन यह हमारे इस विचार को दिखाता है कि व्हाइट फर्न्स के सफर के अगले पड़ाव में प्रोग्राम की भविष्य की दिशा को सपोर्ट करने के लिए एक अलग नेतृत्व की जरूरत है।

न्यूजीलैंड महिला टीम की कप्तान अमेलिया केर ने कहा, हम बेन और इस टीम में उन्होंने जो कुछ भी डाला है, उसके लिए बहुत आभारी हैं। उनकी तैयारी सबसे अच्छी थी। उन्होंने इस रोल में अपना दिल और आत्मा लगा दी और टीम को बेहतर बनाने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी। न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट के लिए एक अहम पल में बेन ने बहुत बड़ा रोल निभाया।

नायर ने पीले कपड़ों पर ली रोहित की चुटकी: दर्शकों ने लगाए 'मुंबई-मुंबई' के नारे, मिला दिल जीतने वाला जवाब

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इन दिनों अपने नए टीवी शो फॅमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा को लेकर चर्चा में हैं। शो के एक टीजर में रोहित और उनके करीबी दोस्त व कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच अभिषेक नायर के बीच आईपीएल को लेकर मजेदार बातचीत देखने को मिली। नायर ने रोहित को पीले कपड़ों में देखकर पहले चेन्नई सुपर किंग्स और फिर कोलकाता नाइट राइडर्स से जोड़कर मजाक किया। हालांकि, जब दर्शकों ने 'मुंबई-मुंबई' के नारे लगाए तो रोहित के सिर्फ एक शब्द के जवाब ने मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों का दिल जीत लिया।

पीले कपड़ों में दिखे रोहित तो नायर ने ली चुटकी

शो के दौरान रोहित शर्मा पूरी तरह पीले रंग के कपड़ों में नजर आए। उन्हें इस अंदाज में देखकर अभिषेक नायर ने मजाक करते हुए पूछा कि क्या यह उनकी अगली आईपीएल टीम का संकेत है। पीला रंग होने के कारण इशारा चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ था। इसके बाद नायर ने मजाक को आगे बढ़ाते हुए कहा कि पीला और गोल्ड रंग रोहित पर ज्यादा अच्छा लगता है।

जब शिखर है तो चिंता किस बात की, रोहित शर्मा ने शिखर धवन को बताया अपना जिगरी दोस्त

मुंबई (ए.)। इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व ओपनिंग पार्टनर शिखर धवन की जोड़ी ने क्रिकेट के मैदान पर कई

यादगार पारियां खेली हैं। अब रोहित शर्मा ने शिखर धवन के साथ अपने इसी खास रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया कि धवन के साथ उनकी दोस्ती बाकी साथियों से थोड़ी अलग रही है, क्योंकि दोनों ने बहुत कम उम्र में साथ खेलना शुरू कर दिया था। दरअसल, शिखर धवन, रोहित शर्मा के शो फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचे। इस दौरान रोहित ने अपने पुराने दोस्त का स्वागत करते हुए उनके साथ बिताए क्रिकेट के दिनों को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत में ही रोहित ने मजाकिया अंदाज में कहा कि आज वह कुछ ज्यादा ही तरोताजा महसूस कर रहे हैं, क्योंकि उनका जिगरी दोस्त आने वाला है। रोहित ने हंसते हुए कहा, मैं भी बहुत फ्रेश लग रहा हूं, क्योंकि मेरा जिगरी दोस्त आ रहा है, भाई। इसके बाद उन्होंने दर्शकों से दोस्ती के मतलब को लेकर बात की और अपने अंदाज में बताया कि उनके लिए सच्चा दोस्त कैसा होता है।

रोहित ने कहा, दोस्त ऐसा होना चाहिए, जो रेस्तरां में बिल देने का समय आते ही अचानक जरूरी फोन आने की बात कहकर वहां से निकल जाए। आजकल दोस्त एक-दूसरे को मीम और रील भेजकर जुड़े रहते हैं, लेकिन मेरा एक ऐसा दोस्त आने वाला है, जिसके साथ मैंने इससे कहीं ज्यादा चीजें साझा की हैं।

रोहित ने कहा, उसके साथ मैंने ड्रेसिंग रूम साझा किया है, जीत साझा की है, हार साझा की है, दबाव साझा किया है और ओपनिंग भी साझा की है। इसके बाद रोहित ने बताया कि शिखर धवन के साथ उनका रिश्ता बाकी साथियों से अलग क्यों रहा। उन्होंने कहा, सबके साथ दोस्ती होती है, फ्रेंडशिप सब कुछ होती है, लेकिन जो आ रहा है ना, उसके साथ मेरी थोड़ी अलग बॉन्डिंग रही है।

द्रविड़-सहवाग के बेटों का जलवा: अन्वय ने ठोके 38 रन, आर्यवीर भी चमके; भारत ने ऑस्ट्रेलिया को सात रन से हराया

राजकोट (ए.)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में रोमांच देखने को मिला। बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को सात रन से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम सात विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

इस मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग भी मैदान पर उतरे। अन्वय ने नंबर छह पर बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में 38 रन की तेज पारी खेली। उन्होंने दो चौके और तीन छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 211.11 रहा। वहीं, आर्यवीर ने अपने पिता की तरह पारी की शुरुआत की और 26 गेंदों में 28 रन बनाए। उनकी पारी में पांच चौके शामिल रहे।

चौहान ने संभाली भारत की पारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 12वें ओवर तक उसका स्कोर चार विकेट पर 88 रन था। इसके बाद यशवर्धन चौहान और अन्वय द्रविड़ ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया अपेक्स बैंक के अध्यक्ष और अभियान के प्रदेश प्रभारी श्री यादव का आत्मीय स्वागत

नर्मदापुरम (निप्र.)। नपाध्यक्ष नीतू यादव द्वारा आज नगरपालिका कार्यालय में पधारने पर अपेक्स बैंक के अध्यक्ष और सेवा संकल्प अभियान के प्रभारी महेंद्र सिंह यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर नपा में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अपेक्स बैंक के अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव द्वारा नगरपालिका में आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही नगरपालिका द्वारा किए गए विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। नपाध्यक्ष नीतू यादव द्वारा उनका पुष्प गुच्छ से जोरदार स्वागत करते हुए विगत वर्षों में नगरपालिका द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री, राकेश सिंह 20 सितम्बर को जिले के प्रवास पर

नर्मदापुरम (निप्र.)। मंत्री, लोक निर्माण विभाग एवं प्रभारी मंत्री जिला नर्मदापुरम राकेश सिंह रविवार, 20 सितम्बर 2026 को जिले के प्रवास पर रहेंगे। जारी कार्यक्रम अनुसार प्रभारी मंत्री, राकेश सिंह 19 सितम्बर को दोपहर 03:00 बजे छिन्दवाडा से प्रस्थान कर रात्रि 08:00 बजे नर्मदापुरम में आगमन होगा। प्रभारी मंत्री, श्री सिंह 20 सितम्बर 2026 को प्रात: 10:30 बजे से सर्किट हाउस नर्मदापुरम में 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों के संबंध में जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक लेंगे तथा प्रात: 11:00 से सर्किट हाउस नर्मदापुरम में ही सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक लेंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हुआ मुख्यमंत्री जन विश्वास जन संवाद शिविर

>>> 44 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, 106 आवेदनों का हुआ मौके पर निराकरण

>>> 208 फार्मर आईडी हुई जनरेट, 50 नागरिकों के तैयार हुए आयुष्मान कार्ड

>>> शिविर में विभिन्न विभागों ने प्रदान की नागरिकों को तत्काल सुविधा

नर्मदापुरम (निप्र.)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास जन संवाद शिविर का आयोजन इटारसी की कृषक उपज मंडी में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों को शासकीय योजनाओं तथा अभियानों के संबंध में उपस्थित सांसद गणों, विधायक गणों, जिलाधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने जानकारी दी। जन संवाद शिविर के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याएं भी सीधे संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों के समक्ष रखी गई। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी तथा शासकीय योजनाओं के संबंध में सभी को अवगत कराया।

जनसंवाद शिविर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी पंकज चौरे, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत केसला श्रीमति अर्चना महतो, कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास जन संवाद शिविर में उद्यम संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान शिविर के समीपस्थ क्षेत्रों से पहुंचे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। हितग्राहियों ने बताया कि किस प्रकार शासन की योजनाओं से मिले सहयोग, ऋण एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने उद्यम एवं व्यवसाय प्रारंभ किए और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में

कदम बढ़ाया।

उद्यम संवाद में उद्यमियों ने बताए अपने अनुभव

उद्यम संवाद के दौरान जिले के विभिन्न युवा उद्यमियों ने अपने संस्थान एवं व्यवसाय की जानकारी उपस्थित नागरिकों को दी।

दीप प्रज्ज्वलित कर दिव्यांग बच्चों ने की प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य की कामना

नर्मदापुरम (निप्र.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत डॉ ऐनी बेसेंट विशेष विद्यालय एवं आवासीय प्रशिक्षण छात्रावास मालाखेड़ी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के 'बौद्धिक दिव्यांग बच्चों ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवाए समर्पण और राष्ट्रहित का संदेश दिया। संस्था परिवार ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में 'सेवा भावना सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना' विकसित करने में सहायक हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सेवा एवं राष्ट्रहित के कार्यों में निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया।

5 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 23 अक्टूबर तक होगी रामलीला

>>> श्रीरामलीला महोत्सव समिति की बैठक में लिए गए निर्णय

नर्मदापुरम (निप्र.)। श्रीरामलीला महोत्सव समिति के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे ने जानकारी में बताया कि 2026 के आयोजन के लिए समिति की वार्षिक बैठक पं भवानीशंकर शर्मा एवं पं गिरिजाशंकर शर्मा के निवास पर सम्पन्न हुई। जिसमें गत वर्ष 2025-26 के आय व्यय का लेखा प्रस्तुत किया गया एवं आगामी वर्ष 2026-27 के आयोजन हेतु व्यय पर सार्वजनिक रूप से विचार विमर्श उपरांत बजट निर्धारित किया गया।

वर्ष 2026-27 के महोत्सव में श्रीरामलीला का 18 दिवसीय मंचन आगामी 5 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 23 अक्टूबर तक प्रतिदिन होगा जिसमें 16 अक्टूबर तक कि लीलाओं का मंचन प्राचीन नर्मदा मंदिर के सामने सेठानीघाट पर ही होगा पश्चात श्रीराम रावण युद्ध की

लीलाओं का मंचन 20 अक्टूबर तक रावण वध विजयादशमी तक दशहरा मैदान में होगा।

उपरांत उत्तर भरत मिलाप और श्रीरामराज्याभिषेक की लीलाओं का मन्चन पुन: सेठानीघाट पर होगा। इसी बीच नगर के प्रमुख मार्गों से भगवान श्रीराम बारात भव्य रूप से निकाली जावेगी जिसकी व्यापक तरीके से तैयारी की जावेगी और दशहरा रात्रि कार्यक्रम के अंतर्गत विशाल देवी जागरण के लिए सदस्यों के सुझाव से रूपरेखा तय की गई ।

बैठक श्रीरामलीला समिति के अध्यक्ष पं गिरिजा शंकर शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पं भवानी शंकर शर्मा जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे वरिष्ठ अधिवक्ता बीके चौहान पं गोपाल प्रसाद खड्डुर राकेश फौजदार महेंद्र चौकसे नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा प्रबंधक अरुण शर्मा सचिव योगेश्वर तिवारी पार्षद नरेंद्र पटेल पं सुनील चौरे पं राम परसाई सहित श्रीरामलीला परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

हाई स्कूल जासलपुर के शिक्षकों की सराहनीय पहल

नर्मदापुरम (निप्र.)। शासकीय हाई स्कूल जासलपुर में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या बढ़ाने एवं कक्षा आठवीं के बाद ड्राप आउट संख्या कम करने के उद्देश्य से शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा ग्राम जासलपुर एवं टील में घर घर जाकर पालकों से सम्पर्क करने से ज्ञात हुआ कि चूंकि जासलपुर का हाई स्कूल बाबई रोड पर ग्राम से लगभग ढाई किमी दूर भारी ट्रेफिक से भरे रास्ते पर स्थित है एवं आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण पालकों द्वारा बच्चों को शाला लाने एवं वापस ले जाने में सक्षम नहीं हैं। समस्या के समाधान हेतु शिक्षकों द्वारा स्वयं के व्यय से एक आटो की व्यवस्था की गई जिससे ग्राम जासलपुर एवं ग्राम टील के बच्चों ने प्रतिदिन शाला आना शुरू किया। आटो का किराया देने हेतु सभी शिक्षक शिक्षिका प्रतिमाह अपने वेतन से राशि एकत्रित कर आटो चालक को एक मुस्त भुगतान करते हैं। यही नहीं शाला में पदस्थ स्टाफ अपने सम्पर्क के अधिकारियों एवं समाजसेवी लोगों से शाला में अध्ययनरत बच्चों के लिए काफी पेन कम्पास बाक्स आदि की व्यवस्था करते हैं तथा प्रतिवर्ष कुछ विद्यार्थियों की बोर्ड नामांकन फीस एवं परीक्षा फीस भी यहां कार्यरत शिक्षकों द्वारा ही अदा की जाती है। यहां पदस्थ शिक्षको की इस सराहनीय पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विगत दिनों शाला के पौधारोपण कार्यक्रम में पधारे क्षैत्र के माननीय विधायक डा सीताशरण शर्मा जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा द्वारा विद्यालय में अधूरी बाउंड्री वॉल का निर्माण प्रवेश द्वार एवं मुख्य मार्ग से शाला तक सीमेंट कांक्रीट रोड के निर्माण करवाया गया साथ ही ग्राम टील के तेरह विद्यार्थियों के लिए सायकिल उपलब्ध कराने के आदेश दिए तथा छात्र एवं विद्यालय हित में आवश्यक कार्य हेतु रुपए बीस हजार की प्रोत्साहन राशि भेंट का चैक प्रदान किया गया। शाला में पदस्थ शिक्षको की इस पहल से शाला में प्रवेश की स्थिति सुधरेगी एवं आगामी सत्रों में बेहतर परिणाम की आशा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com